www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 7 सितम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 122 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

अकेले नदी साफ करने वाले बिट्टू को नीदरलैंड से जॉब-ऑफर

● डच सीईओ बोले-हमारे साथ काम करो; इंग्लिश क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अकेले नदी साफ करने वाले मध्य प्रदेश के 20 साल के सुरेंद्र सिंह चौधरी 'बिट्टू तबाही' को नीदरलैंड की संस्था 'द ओशन क्लीनअप' ने नौकरी का ऑफर दिया है। संस्था के फाउंडर और सीईओ बॉयन स्लैट ने बिट्टू की मेहनत से प्रभावित होकर लिखा- हमारे साथ काम करो। द ओशन क्लीनअप' कंपनी समुद्रों और नदियों से प्लास्टिक कचरा हटाने का काम करती है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी बिट्टू की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बदलाव तब शुरू होता है, जब कोई व्यक्ति दूसरों का इंतजार करना छोड़कर खुद पहल करता है। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले से निकलने वाली

अजनार नदी का पानी पीने और सिंचाई के काम आता था, लेकिन बढ़ते प्रदूषण से यह गंदे नाले में बदल गई थी।

● 26 जनवरी को लिया था सफाई का संकल्प- बिट्टू ने इस साल 26 जनवरी को अजनार नदी को उसका पुराना और स्वच्छ रूप लौटाने का संकल्प लिया। शुरुआत में कुछ दोस्त भी उनके साथ आए, लेकिन मुश्किल और थकाऊ काम के कारण वे धीरे-धीरे पीछे हट गए। इसके बाद बिट्टू ने अकेले ही सफाई जारी रखी। वह रोज सुबह नदी में उतरते और घंटों पानी में रहकर हाथों से कचरा निकालते रहे। करीब तीन महीने की मेहनत के बाद नदी की तस्वीर बदल गई। अब यहां कचरे की जगह साफ पानी नजर आता है। बिट्टू ने नदी की सफाई में अपना समय और मेहनत लगाने के साथ पैसे भी खर्च किए। भारी कचरा निकालने के लिए उन्होंने अपनी जेब से रुपए भी खर्च किए।

मां-पिता से कहकर निकलते- क्रिकेट खेलने जा रहे हैं

बिट्टू और कृष्णा कहते हैं कि वो दो ढाई महीने से नदी की सफाई के रील सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपलोड कर रहे हैं। माता-पिता सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते। उन्हें कभी ये पता नहीं लगा कि वे क्या करते हैं। हम तो घर से यही कहकर निकलते हैं कि हम क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। हां, कुछ दिनों से जब से महिंद्रा जी ने हमारे काम की सोशल मीडिया पर तारीफ की, तब से कई लोग हमसे अच्छे से बात करते हैं। कलेक्टर ने भी हमें बुलाकर सम्मान किया। विधायक ने भी हमें बुलाया है।

संक्षिप्त

गोवा दौरे पर अमित शाह, बीजेपी की पोस्ट पर घमासान

कांग्रेस ने पूछा क्या राष्ट्रीय प्रतीक से बड़े हैं पीएम मोदी

पणजी (एजेंसी)। गुजरात के साथ अगले साल गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गोवा के दौरे में हैं। गृह मंत्री अमित शाह के गोवा पहुंचने के साथ ही बीजेपी गोवा की एक सोशल मीडिया पोस्ट पर कांग्रेस हमलावर हो गई है। गोवा कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पूछा है कि गृह मंत्री अमित शाह जी आप आज गोवा के दौरे पर हैं। क्या आपकी बीजेपी भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का

इसी तरह सम्मान करती है। इस मुद्दे पर पवन खेड़ा ने कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने भारत का राष्ट्रीय प्रतीक मोदी के नीचे रखा गया है। कोई भी व्यक्ति हमारे गणतंत्र के प्रतीकों से ऊपर नहीं है। बीजेपी गोवा को सफाई देनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। इस मुद्दे पर गोवा बीजेपी ने लिखा है कि डियर 'नॉन दिमागी नक्सल्स' राष्ट्रीय प्रतीक किसी के पैरों के नीचे नहीं है। यह उस भारत की नींव को दर्शाता है जिसे मोदी जी नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

दुर्गापूजा में कोलकाता के आसमान में दिखेगा अद्भुत नजारा

3000 ड्रोन से झलकेगी बंगाल की संस्कृति, शुरू हुई तैयारी

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में सत्ता में आई भाजपा सरकार दुर्गापूजा को वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव में बदलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए व्यापक योजना तैयार की जा रही है। आगामी 10 अक्टूबर को महालया से 19 अक्टूबर को अष्टमी तक विभिन्न आयोजनों के जरिए बंगाल की दुर्गापूजा, लोक परंपराओं, कला, संगीत, खान-पान और

हस्तशिल्प को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने की योजना है। राज्य सरकार आगामी सोमवार को समस्त संबंधित पक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेगी। राज्य सचिवालय सूत्रों के अनुसार दुर्गापूजा के दौरान कोलकाता के आसमान में करीब 3,000 ड्रोन की रोशनी से देवी दुर्गा की छवि और बंगाल की सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न दृश्य उकेरे जाएंगे। महालया के दिन ईडन गार्डेंस स्टेडियम में भव्य सांस्कृतिक आयोजन से उत्सव की शुरुआत होगी। इसमें पारंपरिक महिषासुरमर्दिनी की प्रस्तुति के साथ बंगाल की लोक एवं शास्त्रीय संगीत परंपरा प्रदर्शित की जाएगी।

एमपी में जहरीली शराब का आतंक

11 लोगों की मौत

सागर में 24 लोग भर्ती, बीमारों के शरीर नीले पड़े

कलेक्टर ने किया दौरा, की 10 के मरने की पुष्टि

सागर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब के सेवन से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि कलेक्टर ने 10 मौतों की पुष्टि की है। वहीं, करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर है। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के मुताबिक, मामला बंडा थाना क्षेत्र के नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव में केंद्रित है। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे इसकी पहली सूचना मिली थी। प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है और शराब पीने वाले लोगों की जांच कराई जा रही है। जिन लोगों में लक्षण मिल रहे हैं, उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है।

मिथाइल अल्कोहल के सेवन से मौत की आशंका

कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है। वहीं, एसपी अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे। उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग से बेड आरक्षित किए हैं। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है। मौतों के बाद प्रशासन ऐक्शन में है। सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी प्रभावित गांवों में पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को एहतियातन सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम बोले-इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई रवाना होने से पहले कहा कि उन्होंने प्रभारी मंत्री और अधिकारियों को मौके पर तुरंत जांच के निर्देश दिए हैं। इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे। इस तरह की घटनाओं को हमारी सरकार बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेगी। डिप्टी सीएम

जगदीश देवड़ा ने कहा कि हादसे के पीछे जो भी व्यक्ति जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर पोस्ट कर सरकार पर सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आज सागर जिले के बंडा जाएंगे। वे जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जानेंगे। इस दौरान वे परिजन से घटना की जानकारी भी लेंगे।

कलेक्टर बोलीं- जहरीली शराब पीकर बीमार पड़े

कलेक्टर ने बताया कि चिकित्सा दल सभी मामलों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। स्थिति के अनुसार जरूरी मेडिकल और प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही है। मृतकों में चार गांवों के लोग शामिल बताए जा रहे हैं। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और शराब के सेवन से हुई मौतों के कारणों को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कीर्तिनगर में अनियंत्रित कार गदेरे में गिरी, तीन संत घायल

कीर्तिनगर। बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कीर्तिनगर के समीप देर रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गदेरे में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही कीर्तिनगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना में कार सवार तीन संत घायल हो गए, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए बेस अस्पताल श्रीकोट भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कीर्तिनगर संजय मिश्रा ने बताया कि देर रात कार दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। कार अनियंत्रित होकर गदेरे में गिर गई थी। पुलिस ने कार में सवार तीनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। बताया गया कि कार में जूना अखाड़े के स्वामी स्वरूपानंद यति महाराज, बाबा निरंजन पुरी महाराज समेत तीन संत सवार थे। स्वामी स्वरूपानंद यति ने हादसे को बेहद भयावह बताते हुए कहा कि यह उनके लिए मौत को करीब से छूकर लौटने जैसा अनुभव था। उन्होंने इसे महादेव की कृपा बताया कि तीनों संत सुरक्षित हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार ढूंढप्रयाग क्षेत्र में दुर्घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। लोगों ने प्रशासन से दुर्घटना संभावित स्थान पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। क्षेत्र में क्रैश बैरियर, सुरक्षा दीवार सहित अन्य सुरक्षात्मक उपाय किए जाने की आवश्यकता जताई गई है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड दो नदी का रास्ता बंद

● पानी एक जगह हुआ जमा, यूपी में कई घाट डूबे

सड़क पर चिताएं जलीं, एमपी में नदियां उफनाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम के नगा फॉरेस्ट इलाके में नगा-टोसा रोड की नई सड़क कटिंग पर शनिवार देर रात लैंडस्लाइड हुई। यह लैंडस्लाइड थेंग टनल के सामने तीस्ता और च्याकोऊंग नदियों के संगम के पास हुई। इससे दोनों नदियों का बहाव रुक गया और इलाके में पानी इकट्ठा होने लगा। वहीं, यूपी के 18 जिलों में रविवार को बारिश का अलर्ट है। 26 जिलों के 3.53 लाख लोग बाढ़ से परेशान हैं। प्रयागराज में घाट डूबने से सड़क पर चिताएं जलानी पड़ रही हैं। उधर, बिहार के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। पटना के गांधी घाट पर गंगा ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। शनिवार को यहां जलस्तर 50.57 मीटर पहुंच गया। 2016 में 50.52 मीटर दर्ज किया गया था। मध्य प्रदेश में नर्मदा समेत कई नदियां उफान पर हैं। बरगी, भदभदा और कलियासोत के गेट खुले हैं।

योगी ने चित्रकूट में बाढ़ का हवाई सर्वे किया

सीएम योगी ने रविवार को चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। मंदाकिनी नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। करीब 800 प्रभावित परिवारों को 50-50 किलो की राहत किट बांटीं। इससे पहले, शनिवार को योगी ने वाराणसी में बाढ़ की स्थिति का हवाई सर्वे किया था। उधर, प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। रविवार सुबह से गाजियाबाद, मेरठ, आगरा और संभल समेत 15 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। श्रावस्ती में भारी बारिश के कारण बाइपास का करीब 400 मीटर हिस्सा जलमग्न हो गया। बिजनौर में सड़कें और गलियां तालाब बन गईं। सरकारी अस्पताल में 3 से 4 फीट तक पानी भर गया। वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर और अयोध्या समेत प्रदेश के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। प्रयागराज के दारागंज घाट पर शवदाह गृह में पानी भर जाने से लोगों को अंतिम संस्कार के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। वाराणसी और कानपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी घरों में घुस चुका है।

दिल्ली में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, कई दबे

इनमें ज्यादातर दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र, पीजी में रहते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को दो बिल्डिंग गिर गईं। इसमें एक छह मंजिला है जिसमें पीजी चलता है। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे। 3 का रेस्क्यू कर लिया गया है। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि मलबे में कितने बच्चे फंसे हैं। आसपास की दूसरी बिल्डिंग को भी सुरक्षा के लिए खाली करा लिया गया है। घटना दोपहर 1.30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं। सत्य निकेतन दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास बसा प्रमुख छात्र इलाका है। यहां बड़ी संख्या में छात्र पीजी और हॉस्टल में रहते हैं। इलाके में कई छात्र आवास हैं और आसपास वेंकटेश्वर कॉलेज, आर्यभट्ट कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज और मैत्रेयी कॉलेज जैसे संस्थान हैं।

मुझे डर लग रहा है, कुछ हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा

नीशू आजाद के घर रात में पथराव, स्वतंत्र भारद्वाज पर लगाया आरोप

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में शनिवार रात यूट्यूबर और कॉकरोच जनता पार्टी की कार्यकर्ता नीशू आजाद के घर पर पथराव किए जाने का आरोप सामने आया है। नीशू आजाद का आरोप है कि रात करीब 11 बजे कुछ लोगों ने उनके घर की ओर पत्थर फेंके। इस दौरान कई पत्थर घर की बालकनी और किचन तक जा पहुंचे। घटना के बाद परिवार के लोग डर गए। नीशू आजाद ने इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज और उसके समर्थकों पर आरोप लगाया है। नीशू आजाद ने घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो पोस्ट कर अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस से अपने माता-पिता समेत पूरे परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट

ढहाई मस्जिद के नीचे मिला कुआं

कितना पुराना, जांचने के लिए एएसआई टीम को बुलाया

मंत्री राजभर ने अखिलेश से पूछा-क्या वहां फातिहा पढ़ेंगे

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ढहाए जाने के बाद नीचे कुआं मिला है। यह 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा है। कुआं स्लैब (पत्थर) से ढंका था। प्रशासन ने कटर से पत्थर कटवाया तो कुआं दिखाई दिया। पुलिस ने इसे लोहे की चादर से ढंक दिया है, ताकि मलबा अंदर न जाए। कुआं कितना पुराना है। इसका पता लगाने के लिए प्रशासन ने एएसआई को बुलाया है। मौके पर भारी फोर्स तैनात है। बैरिकेडिंग करके किसी को वहां जाने नहीं दिया जा रहा। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया- यहां पहले मंदिर रहा होगा। उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई। जांच होनी चाहिए। मस्जिद को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा- हम यह लड़ाई सदन, कोर्ट और सड़क पर लड़ेंगे। मस्जिद गिराने में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई। वहीं, मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक्स पर लिखा- अखिलेशजी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे। यूपी पूछ रहा है, बताइए न। शनिवार को 16 घंटे बुलडोजर चलाकर मस्जिद ढहाई गई थी। रविवार सुबह तक

मलबा हटाया गया। प्रशासन का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद मस्जिद गिराई गई। मस्जिद पक्ष का आरोप है कि उसे हाईकोर्ट में अपील का मौका नहीं दिया गया।

16 घंटे में ढहाई की मस्जिद, 200 जवान तैनात रहे

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को करीब 16 घंटे चली बुलडोजर कार्रवाई के बाद पूरी तरह ढहा दिया गया। निवार तड़के 4 बजे शुरू हुई कार्रवाई रात करीब 8 बजे तक चली। इस दौरान 200 पुलिस और पीएसी जवान तैनात रहे। इसके बाद रातभर मलबा हटाने का काम चला, जो सुबह तक पूरा कर लिया गया। कलेक्ट्रेट की मस्जिद अब जमींदोज हो चुकी है, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ है। मस्जिद पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता बाबर वसीम ने बताया कि इस संबंध में मस्जिद पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में रिट दाखिल की जाएगी। निचली अदालत के सामने पेश किए गए दस्तावेजों और सबूतों को रिकॉर्ड पर लिए जाने की अपील की जाएगी। मामले में विधि सम्मत कार्रवाई की मांग की जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में सर्राफ मंडल की भव्य एग्जीबिशन का किया अवलोकन

पारंपरिक आभूषणों को 'लोकल टू ग्लोबल' पहचान दिलाने पर दिया जोर

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को राजपुर रोड देहरादून स्थित होटल में सर्राफ मंडल देहरादून द्वारा आयोजित भव्य एग्जीबिशन का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने एग्जीबिशन में प्रदर्शित विभिन्न प्रकार के आभूषणों, पारंपरिक डिजाइनों और स्वर्णकारों की कला एवं हुनर का अवलोकन किया तथा आयोजकों और स्वर्णकार समाज को इस आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारतीय कला, संस्कृति, परंपरा और स्थानीय हुनर को नई पहचान देने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। स्वर्णकार समाज केवल आभूषणों का निर्माण नहीं

करता, बल्कि भारत की गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने एवं उसे पीढ़ी–दर–पीढ़ी आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य भी करता है। विवाह, त्योहार और धार्मिक अनुष्ठानों सहित हमारे जीवन के प्रत्येक शुभ अवसर पर आभूषण हमारी परंपराओं, भावनाओं और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया', 'मेड इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से देश के कारीगरों, स्थानीय उत्पादों और स्वदेशी हुनर को नई पहचान एवं नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। 'विकसित भारत–2047' के लक्ष्य के अनुरूप भारत को वैश्विक ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइनिंग का प्रमुख हब बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार भी पारंपरिक कौशल, हस्तशिल्प एवं स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करने के साथ ही कौशल विकास और आर्थिक सहायता के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के समृद्ध पारंपरिक आभूषणोंकृगढ़वाली नथ, पौंजी, चंपकली हार, कुमाऊंनी गुलोबंद, पिचौरा हार, झूमका आदि को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने की आवश्यकता है।

गणेश जोशी के बयान पर कांग्रेस का पटलवार

देहरादून। राम सिंह नेगी ने कहा कि सैन्य धाम के निर्माण से संबंधित दस्तावेज सरकार सार्वजनिक करें और सैन्य धाम पर चुनावी लाभ लेने को लेकर दिए गए बयान पर कैबिनेट मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

उत्तराखंड कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्ष राम सिंह नेगी ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि भाजपा सैनिकों की शहादत पर वोट की राजनीति कर रही है। जो सैनिकों का अपमान है।

एक नजर

विभाग ने नहीं कराई मरम्मत, छात्र संगठन ने अपने खर्च से संवारा झूला पुल

देहरादून। डाकपत्थर स्थित वीर शहीद केसरी चंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय को जाने वाले रास्ते में शक्ति नहर पर बने झूला पुल की मरम्मत विभाग की ओर से नहीं कराई गई। जर्जर हो चुके पुल की मरम्मत के लिए आर्यन छात्र संगठन के प्रतिनिधि रविवार को आगे आए। छात्र संगठन के सदस्यों ने निजी खर्च से पुल की मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया है।

शक्ति नहर के इस झूला पुल से महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं की आवाजाही होती है। पुल के बेस पर लगे कई लकड़ी के तख्ते टूट गए थे और जगह–जगह बड़े छेद हो गए थे। इसी प्रकार से कई तख्तों के नट–बोल्ट भी ढीले हो गए थे। पुल की यह स्थिति छात्र–छात्राओं के लिए खतरनाक बनी हुई थी। आर्यन छात्र संगठन से जुड़े छात्र प्रतिनिधि दजवीर सिंह राणा ने पुल को ठीक कराने के लिए जलविद्युत निगम से शिकायत की लेकिन निगम ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने बताया कि निगम के निरंतर लापरवाह बने रहने के कारण उन्होंने अपने निजी खर्च से पुल की मरम्मत का कार्य प्रारंभ करा दिया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही पुल के तख्तों को ठीक करके छात्र–छात्राओं की आवाजाही को सुरक्षित कर लिया जाएगा। इस दौरान समीर, रजत जोशी, जसपाल सिंह, सचिन, शुभम कुड़ियाल और शुभम तोमर आदि मौजूद रहे।

तीन दिन से लापता युवक का नहीं लगा पता

गुप्तकाशी। ग्राम पंचायत देवर निवासी लोकेश चौहान (31) तीन सितंबर की शाम से लापता है। परिजनों और ग्रामीणों ने हर जगह तलाश कर लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। परिजनों ने गुप्तकाशी कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई है।

ग्राम प्रधान मुन्नी देवी ने बताया कि लोकेश पुत्र विजय सिंह चौहान रामपुर में होटल कारोबार से जुड़ा है। तीन सितंबर की सुबह वह स्कूटी से गुप्तकाशी से भीरी–चंद्रापुरी गया था। बताया जा रहा है कि वापसी के दौरान कुंड बैराज के पास सड़क पर वह स्कूटी से गिर गया। इसके बाद से उसका पता नहीं चल पाया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि युवक की तलाश की जा रही है। कुंड बैराज क्षेत्र में पानी हटाकर भी तलाश की गई लेकिन लोकेश का पता नहीं चला है। प्रधान मुन्नी देवी और सामाजिक कार्यकर्ता त्रिभुवन चौहान ने युवक की शीघ्र तलाश करने की मांग की।

जनता से जुड़े मुद्दे उठाने से रोक रही सरकार: कांग्रेस

जौलीग्रांट। नगर कांग्रेस कमेटी कार्यालय जौलीग्रांट में कांग्रेस की ओर से एक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री आवास घेराव के संबंध में रणनीति बनाई गई। कांग्रेस नगर अध्यक्ष करतार नेगी ने कहा कि प्रदेश सरकार कांग्रेस को जनता से जुड़े मुद्दे उठाने से रोक रही है। इस कारण कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमें दर्ज किए जा रहे हैं। भाजपा की ओर से दलितों का अपमान भी किया गया है। प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में आज(सोमवार) को दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता घेराव और प्रदर्शन में शामिल होंगे। बैठक में नगर महासचिव प्रवीण सैनी, नगर उपाध्यक्ष मनोज चमोली, संजीव भट्ट, साजिद अली, मीडिया प्रभारी तरुण सैनी, नगर सचिव नवनीत प्रजापति, सहसचिव मनीष प्रजापति, जावेद अली आदि मौजूद रहे।

मृतकों की आत्मा की शांति के लिए किया सामूहिक यज्ञ

डोईवाला। स्थानीय लोगों की ओर से नेपाल जलप्रलय में मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक यज्ञ कर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। लोगों ने लापता लोगों के सकुशल होने की कामना की। रविवार को मिस्सरवाला सनातनपुरम वार्ड संख्या एक में सामूहिक यज्ञ आयोजित किया गया। पतंजलि योग समिति के सदस्यों के सहयोग से आयोजित सामूहिक यज्ञ में लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में आए पूर्व राज्यमंत्री करन बोरा ने कहा कि नेपाल जलप्रलय ने हम सभी को गहरे दुख और पीड़ा से भर दिया है। प्राकृतिक आपदा में जिन लोगों ने जान गंवाई है उनकी आत्माओं को परमात्मा अपने चरणों स्थान दें। योगाचार्य अमित सिंह बिष्ट ने कहा कि संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करना हमारा दायित्व है। सामूहिक हवन यज्ञ के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थनाएं की गई। इस दौरान जितेंद्र सिंह, रश्मि चौहान और सुमन आदि मौजूद रहे।

एक अक्तूबर से तेज होंगी विधानसभा चुनाव की तैयारियां

देहरादून। उत्तराखंड में एक अक्तूबर से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज होंगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय इसके लिए सभी ईवीएम–वीवीपैट की प्रथम चरण की जांच जिलावार शुरू करेगा। इसके बाद आगे की गतिविधियां भी अमल में लाई जाएंगी। चुनाव की तैयारियों के कैलेंडर के हिसाब से मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से अब एक अक्तूबर से सभी ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम चरण की चेकिंग कराई जाएगी। इसके अलावा किस मतदान केंद्र में क्या आवश्यकताएं होंगी, उनका निर्धारण भी किया जाएगा। शुरुआती चरण में ईवीएम की जांच के बाद चुनाव आयोग की टीमें सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करेंगी। उन केंद्रों के सभी इंतजामों का जायजा लेंगी ताकि चुनाव के दौरान मतदाताओं को किसी तरह की असुविधा न हो। इसके समानांतर ही आयोग की

टीम मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्वीप की गतिविधियों का भी खाका तैयार करेगी।

15 सितंबर को प्रकाशित होगी मतदाता सूची

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से प्रदेशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया गतिमान है। 11 सितंबर तक सभी दावे–आपत्तियों का निपटारा करना होगा। 15 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित हो जाएगी। इसके बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मतदाताओं की संख्या कितनी है।

नीट में कांसवाली कंडोली की बेटी सोनिया ने लहराया परचम

विकासनगर। सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कांसवाली कंडोली की होनहार बेटी सोनिया ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में सफलता हासिल कर अपने परिवार के साथ–साथ पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सोनिया की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई दी है।

सोनिया की सफलता की खुशी साझा करने के लिए सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर उनके घर पहुंचे। विधायक ने सोनिया को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने कहा कि ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बावजूद सोनिया ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी शहर या संसाधनों की मोहताज नहीं

होती, बल्कि मेहनत और मजबूत इरादों से सफलता हासिल की जा सकती है। विधायक ने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन, खेल सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़कर परिवार और प्रदेश का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसी प्रतिभाओं को सम्मान और प्रोत्साहन देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने सोनिया की माता बबीता देवी, पिता प्रदीप कुमार और पूरे परिवार को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि सोनिया आगे चिकित्सा शिक्षा पूरी कर एक सफल चिकित्सक बनेंगी और मानव सेवा के साथ अपने गांव एवं सहसपुर क्षेत्र का नाम और ऊंचा करेंगी। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य कंचन, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मेद्य सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य श्यामा देवी, सुद्धोवाला मंडल उपाध्यक्ष अनूप सेमवाल, महेंद्र सिंह, टीकाराम, राजेश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बाजार में आज अतिक्रमण पर बड़ा एक्शन

विकासनगर। विकासनगर बाजार में सड़क और फुटपाथ पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की तैयारी पूरी कर ली है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–507 से रेहड़ी–पटरी और अन्य अस्थायी अतिक्रमण हटाने के लिए 7 सितंबर 2026 की तारीख निर्धारित की गई है। अभियान के दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती भी की जाएगी।

राष्ट्रीय मार्ग खंड, लोक निर्माण विभाग देहरादून की ओर से उपजिलाधिकारी विकासनगर को भेजे गए पत्र के मुताबिक, बाजार में फुटपाथ पर अतिक्रमण को लेकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद विभाग ने संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की।

विभागीय पत्र के अनुसार 29 अगस्त 2026 को प्रशासन के साथ हुई मौखिक वार्ता के बाद 7 सितंबर को अतिक्रमण हटाने की तिथि तय की गई। अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग खंड की टीम

प्रशासन और पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करेगी।

नगर पालिका परिषद विकासनगर को अभियान से पहले अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, थानाध्यक्ष विकासनगर से पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने को कहा गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड के संबंधित अभियंता भी मौके पर मौजूद रहकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। गौरतलब है कि विकासनगर बाजार में फुटपाथ और सड़क किनारे अतिक्रमण का मुद्दा लंबे समय से उठता रहा है। ऐसे में अब सभी की नजरें 7 सितंबर के अभियान पर टिकी हैं। विभागीय पत्र से संकेत है कि इस बार कार्रवाई को प्रभावी तरीके से अंजाम देने की तैयारी है।

प्लॉट खरीदा, न सड़क बनी न कब्जा मिला

देहरादून। सेलाकुई थाना क्षेत्र में जमीन खरीदने के बाद खरीदार को न तो प्लॉट का कब्जा मिला और न ही कॉलोनी में सड़क, स्ट्रीट लाइट व पानी जैसी सुविधाएं विकसित हुईं। दिल्ली के मोहम्मदपुर निवासी विनोद कुमार की शिकायत पर पुलिस ने कैंट थाना क्षेत्र के डाकरा बाजार निवासी पूजा कंडवाल के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। थाना प्रभारी लोकपाल परमार ने बताया कि शिकायतकर्ता गांव चपलोड़ी जिला पौड़ी गढ़वाल निवासी विनोद कुमार ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 18 जून 2018 को उन्होंने पूजा कंडवाल से विकासनगर तहसील क्षेत्र के मौजा अटक फार्म में भूमि खरीदी थी। आरोप है कि जमीन की बिक्री के दौरान विक्रेता ने पूरी सोसाइटी को विकसित करने का आश्वासन दिया था। इसमें सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, पानी की आपूर्ति और बाउंड्री वॉल बनवाने की बात कही गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि आश्वासन के मुताबिक सुविधाएं नहीं मिलीं। आरोप है कि जमीन पर अब तक न सड़क, न स्ट्रीट लाइट और न ही पानी की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही शिकायतकर्ता को उसके खरीदे गए प्लॉट का वास्तविक कब्जा भी नहीं दिया। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले को गंभीर धोखाधड़ी बताते हुए भूमि पर विधिसम्मत कब्जा दिलाने और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

आपदा प्रभावितों की मदद के लिए सहयोग कर रहे लोग

नेपाल में आई आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए गोखाली सुधार सभा की विकासनगर शाखा के माध्यम से चलाया जा रहा राहत अभियान लगातार जारी है। इस क्रम में प्रतिदिन नेपाली मूल के लोग आगे आकर प्रभावितों के सहयोग के लिए प्रयास कर रहे हैं।

गोखाली सुधार सभा की विकासनगर शाखा के अध्यक्ष जोगेंद्र शाह ने बताया रविवार को ग्राम राजावाला–बाढ़वाला निवासी दल बहादुर शाही व उनकी पत्नी पार्वती शाही ने आपदा राहत के रूप में एकत्रित किए गए 17,422 रुपये सभा के खाते में जमा कराए।

इसी प्रकार, अभी तक हरिपुर व्यास नहरी टीम की ओर से 16,078 रुपये, केशव राणा के व्यक्तिगत सहयोग से 10 हजार रुपये, संदीप क्षेत्री की ओर से 1100 रुपये प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभा के पास 44,600 रुपये राहत राशि के रूप में जमा हो चुके हैं। इसके अलावा अन्य टीमें भी नेपाल आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए राहत राशि एकत्रित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि गोखाली सुधार सभा (केंद्र) की ओर से राहत सहयोग एकत्रित करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। नेपाली मूल के लोग आपदा की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा जब भी मानवता के सामने कोई संकट आता है, नेपाली मूल के लोग बढ़–चढ़कर पीड़ितों की सहायता करने के लिए आगे आते हैं।

काला पड़ रहा उत्तराखंड का सेब, हिमाचल की फसल से आधा दाम

देहरादून। मौसम की मार से उत्तराखंड में सेब की पैदावार के साथ गुणवत्ता भी प्रभावित हुई है। मंडी में स्थानीय सेब की आवक पिछले साल के मुकाबले 70 फीसदी तक घट गई है। त्यूणी और मोरी क्षेत्र से आ रहा अधिकांश सेब काला पड़ रहा है। थोक में इसके दाम महज 60 से 70 रुपये किलो हैं, जबकि हिमाचल के अच्छे सेब के थोक में 120 से 130 रुपये तक मिल रहे हैं। मंडी में करीब दो सप्ताह पहले से सेब पहुंचना शुरू हुआ था। पहले हिमाचल और फिर मोरी (उत्तरकाशी) व त्यूणी (देहरादून) का सेब आया। शुरुआत में स्थानीय सेब 80 से 90 रुपये किलो बिका, लेकिन खराब गुणवत्ता वाली फसल आने के

बाद भाव गिर गए। फल कारोबारी असगर के अनुसार, स्थानीय सेब के दाम गिरने की मुख्य वजह गुणवत्ता खराब होना है।

हिमाचल से भी आवक घटी है, दोनों जगह से आवक करीब 70 फीसदी कम है। पिछले साल इन दिनों मंडी में रोज करीब 10 हजार पेटी सेब आता था, इस बार 2500 से 3000 पेटी ही पहुंच रही है।

कश्मीरी सेब की भी एंट्री

मंडी में कश्मीर के सेब की आवक भी शुरू हो गई है। अच्छी गुणवत्ता के चलते शुरुआती भाव करीब 130 रुपये किलो तक हैं। आने वाले दिनों में इसकी आवक बढ़ेगी। चमोली और उत्तरकाशी के अन्य क्षेत्रों का सेब भी मंडी पहुंचने वाला है।

जौनसार–बावर के हक–हकूकदारों की लड़ाई रंग लाई

देहरादून/चकराता। जौनसार–बावर के हक–हकूकदारों के वर्षों पुराने अधिकारों से जुड़ी लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। पिछले तीन वर्षों से लंबित माफी की लकड़ी के मामले को चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने विधानसभा के बजट सत्र में प्रमुखता से उठाया था। अब चकराता वन प्रभाग में 1,895.297 घनमीटर लंबित हक–हकूक के वितरण का प्रस्ताव तैयार होने से क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है। 9 से 13 मार्च 2026 तक भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान प्रीतम सिंह ने जौनसार–बावर के लोगों के पारंपरिक वन अधिकारों का मुद्दा सदन में उठाते हुए सरकार से मांग की थी कि वर्षों से चली आ रही हक–हकूक की व्यवस्था को बाधित न किया जाए और पिछले तीन वर्षों से लंबित माफी की लकड़ी हक–हकूकदारों को उपलब्ध कराई जाए।

150 वर्षों पुरानी परंपरा का सदन में हवाला

विधानसभा में विधायक प्रीतम सिंह ने कहा था कि जौनसार–बावर में माफी की लकड़ी मिलने की व्यवस्था कोई नई प्रक्रिया नहीं है। यह क्षेत्र में करीब 150 वर्षों से चली आ रही पारंपरिक व्यवस्था है। उन्होंने वर्ष 1877 के वाजिब–उल–अर्ज का हवाला देते हुए कहा कि जौनसार–बावर में जंगलों और स्थानीय लोगों के अधिकारों से संबंधित व्यवस्थाएं ऐतिहासिक अभिलेखों में दर्ज हैं। विधायक ने पन्नालाल सेटलमेंट का भी उल्लेख करते हुए कहा कि बंदोबस्त के दौरान क्षेत्र के खतवासियों के जंगल संबंधी अधिकारों, उनकी प्रकृति, विस्तार और रियायतों का निर्धारण किया गया था।

49 खतों के अधिकारों का रिकॉर्ड

सदन में प्रीतम सिंह ने जौनसार–बावर के 49 खतों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे संबंधित अधिकारों और व्यवस्थाओं का रिकॉर्ड वाजिब–उल–अर्ज में दर्ज है। उनका कहना था कि ऐतिहासिक अभिलेखों में दर्ज पारंपरिक अधिकारों को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया के चलते बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

तीन साल से लंबित है माफी की लकड़ी

पिछले तीन वर्षों से माफी की लकड़ी का वितरण लंबित होने के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। इस मुद्दे को लेकर स्थानीय स्तर पर भी समय–समय पर आवाज उठती रही है। विधायक ने विधानसभा में यह भी कहा था कि जौनसार–बावर की सामाजिक एवं पारंपरिक व्यवस्था में अंतिम संस्कार के लिए देवदार की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में माफी की लकड़ी का मामला महज वन उपज के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं से भी जुड़ा हुआ है।

विधानसभा में आंदोलन की चेतावनी, अब प्रस्ताव से जगी उम्मीद

प्रीतम सिंह ने सदन में सरकार को चेताया था कि यदि जौनसार–बावर के पारंपरिक हक–हकूक बहाल नहीं किए गए तो क्षेत्र में आंदोलन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने सरकार से मामले का समयबद्ध समाधान करने की मांग की थी।

कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर धमके हाथी, वाहनों को तोड़ा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर इन दिनों हाथियों की धमक बनी हुई है। आए दिन हाथी मार्ग पर पहुंचकर राहगीरों को दौड़ा रहे हैं। रविवार को मार्ग पर पहुंचे हाथियों ने सड़क पर खड़े दोपहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। करीब दो घंटे तक मार्ग पर डटे रहने के बाद हाथियों का झुंड जंगल की ओर लौट गया, जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका। कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग जंगल से सटा होने के कारण यहां अक्सर हाथियों की आवाजाही बनी रहती है। रविवार शाम भी लोग सैर के लिए मार्ग पर पहुंचे हुए थे। इसी दौरान हाथियों का झुंड अचानक जंगल से निकलकर सड़क पर आ गया। हाथियों को सामने देखकर लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। मार्ग से गुजर रहे दोपहिया वाहन चालक भी अपने वाहन छोड़कर सुरक्षित

कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर धमके हाथी

स्थान की ओर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाथी चिंघाड़ते हुए लोगों के पीछे दौड़े। इस दौरान सड़क किनारे खड़े कुछ दोपहिया वाहनों को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया। हाथियों के सड़क पर मौजूद रहने के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर आवाजाही भी प्रभावित रही। करीब दो घंटे बाद हाथियों का झुंड वापस जंगल में चला गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो पाया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। वन विभाग ने राहगीरों से मार्ग पर आवाजाही के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की।

योजना से छूटे गांव को जल्द मिलेगा पानी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः खिर्सू ब्लॉक के ढिकालगांव पेयजल पंपिंग योजना से छूटे गांवों में अब जल्द पेयजल आपूर्ति की उम्मीद जगी है। जल संस्थान ने इन गांवों को योजना से जोड़ने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। खिर्सू ब्लॉक के करीब 110 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ढिकालगांव पेयजल पंपिंग योजना का निर्माण जल निगम ने वर्ष 2021 में पूरा किया था। टेस्टिंग के बाद योजना जल संस्थान को हस्तांतरित कर दी गई लेकिन हस्तांतरण के बाद भी कई गांवों में पेयजल नहीं पहुंच पाया। अब शासन के निर्देश पर जल संस्थान ने योजना से छूटे गांवों में जलापूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी की है। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने बताया कि अब टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

आरटीई से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त करने की मांग

सांसद अनिल बलूनी को ज्ञापन देते शिक्षक संघ के पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई)-2009 लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग उठाई है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षकों पर बाद में लागू हुई योग्यता की बाध्यता थोपना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने इस संबंध में संसद में विधेयक लाकर आरटीई अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए जाने की मांग की। शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी और जिला मंत्री भोपाल सिंह रावत के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने कोटद्वार पहुंचे सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात कर उन्हे ज्ञापन सौंपा। संघ ने कहा कि आरटीई अधिनियम की धारा 17(2) में वर्ष 2017 में किए गए संशोधन को स्पष्ट करने के लिए संसद के माध्यम से आवश्यक संशोधन किया जाना चाहिए। संघ पदाधिकारियों के अनुसार, आरटीई लागू होने से पहले तत्कालीन नियमों और निर्धारित शैक्षिक योग्यताओं के आधार पर शिक्षकों की नियुक्तियां विधिवत हुई थीं। ऐसे में 25 से 30 वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षकों पर बाद में लागू टीईटी की अनिवार्यता लागू करना उचित नहीं है। इससे देशभर के सैकड़ों शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सांसद से मांग की कि वह इस विषय को संसद में उठाकर शिक्षकों के हित में आवश्यक पहल करें और आरटीई अधिनियम में संशोधन के लिए प्रभावी पैरवी करें। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष जयपाल सिंह भंडारी, पूरन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे शिक्षक हुए सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः शिक्षक दिवस के अवसर पर लक्ष्य फाउंडेशन सोसाइटी उत्तराखंड एवं ग्रीन वैली की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। साथ ही पांच सेवानिवृत्त शिक्षकों भगवानी रावत, केशव प्रसाद काला, वरदराज बहुगुणा, देवेंद्र उनियाल, सुमनलता पंवार को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि के पूर्व प्रोफेसर डीएस नेगी तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. मोहन पंवार रहे। अतिथियों ने कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने और नई पीढ़ी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में गढ़वाल विवि की प्रो. गुड्डी बिष्ट, घुड़दौड़ी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. मंगल बिष्ट, एनआईटी श्रीनगर के डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, प्रधानाचार्य डॉ. हर्षमणि पांडे, सहायक अध्यापक हेमंती गुसाईं, प्रवक्ता शिव सिंह नेगी आदि को सम्मानित किया गया। इस दौरान हुए कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भाव–विभोर किया। ओम प्रकाश सेमवाल ने तेरा असमान नी गैणा..., मुरली दीवान ने मेरो बुड्या तै जमानौ आठ पास..., जगदंबा प्रसाद चमोला ने सूणि बल अब भागवत च बल बर्सि मा... सुनाकर खूब सराहना बटोरी। अनीता काला, बबीता थपलियाल, राकेश मोहन कंडारी, साईनीकृष्ण उनियाल आदि ने भी शानदार कविताओं का पाठ किया।

जंगल घास लेने गई महिला का पैर फिसला, मौत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः नगर से करीब 14 किमी दूर ढामक गांव की उषा देवी (50) रविवार को घास लेने जंगल गई थीं। इसी दौरान पैर फिसलने से वह पहाड़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बेस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अच्युत नारायण पांडे ने बताया कि महिला ने अस्पताल लाते समय ही दम तोड़ दिया था। चिकित्सकों की टीम ने जांच के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

नगर क्षेत्र में हर दिन जूझ रहे लोग जाम से

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र के उजेली–लक्षेश्वर, ज्ञानसू व जनपद मुख्यालय में गंगोत्री हाईवे पर दिन में चल रहे लोडर वाहन व ट्रकों के कारण जाम की स्थिति बन रही है। दूसरी ओर इन क्षेत्रों सड़क पर खड़ी स्कूली बसों व वाहनों के कारण भी दोपहर में सबसे अधिक लगने वाले जाम के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन क्षेत्रों में संकरी सड़क और पार्किंग को लेकर पुलिस व प्रशासन की ओर से किसी ठोस यातायात प्लान पर कार्य नहीं किया जा रहा है।

ज्ञानसू से बस अड्डे, भटवाड़ी रोड, उजेली, लक्षेश्वर आदि क्षेत्र में हर दिनों को जाम के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन स्थानों पर सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण सबसे अधिक जाम की स्थिति बन रही है। लक्षेश्वर और ज्ञानसू आदि क्षेत्रों में सड़क पर खड़ी स्कूली बसों व वाहनों के कारण भी जाम की स्थिति बन रही है।

विद्यालयों की ओर से इन बसों के लिए पार्किंग की सुविधा न होने के कारण चालक सड़क पर खड़ा कर रहे हैं। वाहनों की बढ़ती संख्या के साथ जाम हर दिन की समस्या बन गया है लेकिन पुलिस और प्रशासन की ओर से अभी तक इन संकरी सड़कों व पार्किंग को लेकर किसी प्रकार की ठोस योजना तैयार नहीं की गई है।

सीओ जनक सिंह पंवार का कहना है कि बड़े ट्रक मनेरा बाईपास में सक्रिय भूस्खलन को देखते हुए शहर के बीच से जा रहे हैं। नगर के सभी जाम संभावित क्षेत्रों में व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए निरीक्षण किया जाएगा।

तीज महोत्सव में बिखरी संस्कृति की छटा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः बिशनपुर में आयोजित हरतालिका तीज महोत्सव में रविवार को गोर्खाली संस्कृति के विविध रंग देखने को मिले। नेपाली लोकगीतों की धुन पर महिलाओं और बच्चों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण भी महिलाओं के साथ नेपाली लोकगीत पर थिरकती नजर आईं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

भारतीय गोर्खाली समाज सेवा समिति की ओर से बिशनपुर स्थित बारातघर में आयोजित महोत्सव का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण और महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि गोर्खाली समाज वीरता और पराक्रम के लिए जाना जाता है। भारतीय सेना में गोरखा बटालियन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल और उत्तराखंड की भाषा, संस्कृति और पहनावे में काफी समानता है। दोनों देशों के लोग लंबे समय से आपसी भाईचारे के साथ रहते आए हैं। वर्तमान में भारत और नेपाल के संबंध भी बेहतर हैं। उन्होंने हरतालिका तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक समाज को अपने पारंपरिक त्योहारों को उत्साह

कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के साथ नृत्य करती विस अध्यक्ष

के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोक संस्कृति से जुड़े आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं। ऐसे आयोजनों से सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के साथ समाज में आपसी मेलजोल भी बढ़ता है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने विधानसभा अध्यक्ष के साथ नेपाली लोकगीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी। इससे कार्यक्रम में अनेकता में एकता का संदेश भी नजर आया। समिति के सचिव नारायण सिंह ने गोर्खाली समाज के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के लोगों ने देश की उन्नति में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समिति अध्यक्ष सुरेश गुरंग ने अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार जताया। इस मौके पर नारायण क्षेत्री, लक्ष्मी देवी, अर्जुन सिंह राणा, ज्योति थापा, मान सिंह थापा, कमल ठाकुर और कल्याण सिंह आदि मौजूद रहे।

नाबालिग को भगाने का आरोपित बिजनौर से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार से नाबालिग को भगाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने आरोपित को उत्तर प्रदेश के बिजनौर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से नाबालिग को भी सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, नाबालिग के स्वजन ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि उनकी बेटी बाजार जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। स्वजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से भी उसके संबंध में जानकारी जुटाई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस से नाबालिग की तलाश कर उसे सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई।

तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने नाबालिग की तलाश शुरू करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में नाबालिग एक युवक के साथ मोटरसाइकिल पर जाती हुई दिखाई दी। इसके बाद पुलिस ने सर्विलांस की मदद से युवक की पहचान करने के प्रयास शुरू किए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस के आधार पर आरोपित की पहचान रोहित के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद स्थित नगीना की आजाद कालोनी में दबिश देकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग को भी पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बकरी का मांस खाने से बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः कीर्तिनगर ब्लॉक के सिरोला गांव में बकरी का मांस खाने के बाद बीमार हुए ग्रामीणों की हालत में अब सुधार है। शनिवार को बेस अस्पताल श्रीकोट पहुंचे कई लोग उपचार के बाद ठीक हैं अब उन्हें घर भेज दिया गया है बेस अस्पताल श्रीकोट के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अच्युत नारायण पांडे ने बताया कि अस्पताल के शिशु वार्ड में चार बच्चों का उपचार चल रहा है जबकि एक महिला मेडिसिन विभाग में भर्ती है। सभी की स्थिति स्थिर है।

स्वास्थ्य में सुधार को देखते हुए उन्हें जल्द घर भेज दिया जाएगा। वहीं श्रीनगर उपजिला चिकित्सालय में सिरोला गांव के तीन मरीज भर्ती हैं। प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रचित गर्ग ने बताया कि तीनों मरीजों की हालत अब सामान्य है। वही घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला पंचायत सदस्य खोला–कड़ाकोट कविता देवी, पूर्व प्रधान कपरोली सुनील कुमार और सिरोला के प्रधान पति मातवर सहित अन्य लोग अस्पताल पहुंचे और मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। वहीं जिला पंचायत सदस्य उत्तम सिंह असवाल ने सीएचसी कीर्तिनगर के चिकित्सा प्रभारी को पत्र सौंपकर सिरोला गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि कई बीमारी लोग निजी अस्पताल में उपचार करवाकर घर पहुंच गए थे। टीम भेजकर सभी का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाना जरूरी है।

लायंस क्लब ने शिक्षकों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब कोटद्वार डिग्निटी की ओर से क्षेत्र के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान समाज के बेहतर निर्माण में दिए जा रहे शिक्षकों के योगदान को भी याद किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में लायन अनुराधा जी ने स्वागत उद्बोधन के माध्यम से अतिथियों एवं शिक्षकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.के. खट्टर ने किया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान एवं छात्र हित में किए जा रहे कार्यों के लिए छह शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में श्री यतेंद्र प्रसाद गौड़, प्रधानाध्यापक जूनियर हाई स्कूल लालढांग (शैलेश मटियानी पुरस्कार

आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित करते सदस्य

से पुरस्कृत), सविता काला, टीसीजी पब्लिक स्कूल, मीना अधिकारी, बालिका इंटर कॉलेज लैंसडाउन, उमा नेगी, आर्य कन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार, अरुण नैथानी, नवयुग पब्लिक स्कूल तथा आशीष रंजन अग्रवाल, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल शामिल रहे। इस दौरान सम्मानित शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन में कुछ लक्ष्य ऐसे होते हैं जिन्हें प्रत्येक व्यक्ति स्वयं प्राप्त नहीं कर सकता, लेकिन शिक्षक वह माध्यम है, जिसके मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति संभव हो सकती है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें सही दिशा, संस्कार और लक्ष्य प्राप्त करने का मार्ग भी दिखाते हैं। कार्यक्रम में लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन अवधेश चमोली, सचिव लायन रोबिन सिंह एवं कोषाध्यक्ष लायन हुकम सिंह नेगी के साथ क्लब के ढफ्ड लायन अरविंद बंसल,लायन आशीष अग्रवाल, लायन रोहित बत्ता,लायन अमित जैन,लायंस राजेश फूल,लायंस डॉक्टर आशीष अग्रवाल,लायंस प्रशांत रस्तोगी,लायंस हितेश मित्तल, लायंस बृजेश सिंगल, लायंस इंद्रेश भाटिया, लायंस पुनीत कंसल एवं क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। रविवार को कोटद्वार में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अधिवेशन में पूर्व सैनिकों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के साथ ही संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

अधिवेशन में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि देश की सुरक्षा में सेना के जवानों की भूमिका के साथ ही सेवानिवृत्ति के बाद भी पूर्व सैनिकों का योगदान महत्वपूर्ण है। केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही

आयोजित कार्यक्रम में विस अध्यक्ष का स्वागत करते पूर्व सैनिक

हैं। उन्होंने पूर्व सैनिकों से इन योजनाओं की जानकारी लेकर अधिक से अधिक पात्र लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने सीमाओं की रक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण में भी अहम योगदान दिया है। पूर्व सैनिकों का अनुशासन, अनुभव और देश सेवा की भावना युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के हितों से जुड़े मामलों में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। परिषद के अधिवेशन में संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने पूर्व सैनिकों की समस्याओं, अधिकारों और उनके परिवारों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया। साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पैरवी करने और प्रदेशभर में संगठन की गतिविधियों को विस्तार देने पर विचार किया गया।

इस अवसर पर परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेजर जनरल (डॉ.) आरके गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष मेजर जनरल गुलाब सिंह रावत, मेजर मलवीर सिंह रावत, जिला अध्यक्ष सूबेदार कुलदीप सिंह रावत, ग्रुप कैप्टन हुसवंत सिंह, विंग कमांडर डी. ओबराय, सूबेदार सतीश जोशी, कैप्टन डी. धुलिया, लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश देवरानी, समर कमांडर रेवानी, नायक गोपाल कृष्ण, सूबेदार गोपाल दत्त, राजेश बड़थवाल आदि मौजूद रहे।

शिक्षक राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ : बलूनी

आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित करते अनिल बलूनी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शिक्षक विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने के साथ उनके व्यक्तित्व, संस्कार और चरित्र का निर्माण कर राष्ट्र की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। शिक्षक समाज के मार्गदर्शक और राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। यह बात गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने मानपुर स्थित बारातघर में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में कही।

समारोह का शुभारंभ करते हुए सांसद ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को जीवन–मूल्यों, अनुशासन और जिम्मेदारियों का बोध कराते हैं। उनके ज्ञान और अनुभव से विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि एक सशक्त और जिम्मेदार समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि शिक्षक छात्रों के भविष्य के निर्माता हैं। शिक्षक केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार और चरित्र को भी आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज की पहली गुरु मां होती है और इसके बाद गुरुजनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक अपने ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से आने वाली पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करते हैं। समारोह में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्राध्यापकों और निजी शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर गोसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, डॉ. पीएस राणा, डॉ. डीएस नेगी, डॉ. हरीश कुमार भारती, मनीषा मजीजा, सतीश लखेड़ा और विपिन कैंथोला आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में महामंडलेश्वर सहित तीन घायल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः गरुड़-बागेश्वर से हरिद्वार जा रही एक कार शनिवार देर रात कीर्तिनगर क्षेत्र में ढुंढप्रयाग के समीप अनियंत्रित होकर गदेरे में जा गिरी। हादसे मेंतीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने तीनों घायलों को रेस्क्यू कर बेस अस्पताल पहुंचाया। उपचार के बाद रविवार को उनकी हालत सामान्य होने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया।

कार में महामंडलेश्वर स्वामी स्वरूपानंद महाराज, स्वामी निरंजन पुरी महाराज और सेवादार भास्कर पाठक सवार थे। शनिवार देर रात करीब एक बजे ढुंढप्रयाग के समीप कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गदेरे में जा गिरी। कोतवाली निरीक्षक कीर्तिनगर संजय मिश्रा ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तीनों घायलों को बाहर निकाला और बेस अस्पताल भेजा। बेस अस्पताल के पीआरओ राहुल भी मौके पर पहुंचे और रात करीब डेढ़ बजे 108 सेवा की मदद से तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अच्युत नारायण पांडे ने बताया कि स्वामी स्वरूपानंद महाराज और स्वामी निरंजन पुरी को मुंह, हाथ पर हल्की चोटें आई हैं जबकि सेवादार भास्कर पाठक की कमर के नीचे चोट लगी है।

संपादकीय

भोजन से नदारत पोषक तत्व

एक स्वस्थ मनुष्य की थाली में क्या शामिल होना चाहिए या एक बड़ा सवाल है। राष्ट्रीय पोषण अनुसंधान संस्थान हैदराबाद इस विषय पर व्यापक शोध करता है जिसमें अब तक पाए गए परिणाम काफी चौकाने वाले हैं। संस्थान के वैज्ञानिकों ने साबित किया है की भर्तियों का भजन स्वादिष्ट तो है लेकिन उसमें शरीर के लिए जरूरी संतुलित पौष्टिक तत्व नदारत है। वैज्ञानिकों के अनुसार भोजन पेट भरने के लिए नहीं बल्कि शरीर की आवश्यकता के अनुसार पौष्टिक तत्वों की पूर्ति के लिए अधिक महत्व रखता है। सिर्फ पेट भरने से जीवन यापन तो होगा लेकिन उसे जीवन के लिए एक स्वस्थ शरीर नही बन पाएगा। इसलिए यहां जरूरी है कि हमारी भोजन की थाली में व्यापक पौष्टिक अनाज भी शामिल होना चाहिए ताकि शरीर को नियमित तौर पर विटामिन मिनरल और न्यूट्रिशंस मिलते रहे।आज की बदलती जीवनशैली ने हमारे खानपान की आदतों को भी गहराई से प्रभावित किया है। कभी भारतीय थाली में दाल, हरी सब्जियां, मोटे अनाज, दही, फल और पौष्टिक खाद्य पदार्थ प्रमुख स्थान रखते थे, लेकिन अब उनकी जगह धीरे-धीरे तले-भुने, पैकेटबंद और अधिक वसा युक्त खाद्य पदार्थ लेते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप हमारे दैनिक भोजन में विटामिन, मिनरल और प्रोटीन जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा कम होती जा रही है, जबकि फैट्स का अनुपात लगातार बढ़ रहा है। विज्ञापनों, फास्ट फूड संस्कृति और बदलती जीवनशैली ने लोगों को स्वाद के पीछे दौड़ने के लिए प्रेरित किया है। पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फाइज, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक्स और अन्य प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ आज बच्चों से लेकर बड़ों तक की पहली पसंद बन चुके हैं। इन खाद्य पदार्थों में कैलोरी और वसा की मात्रा अधिक होती है, लेकिन शरीर के लिए आवश्यक विटामिन, खनिज और प्रोटीन अपेक्षाकृत कम होते हैं। लगातार ऐसे भोजन का सेवन शरीर को ऊर्जा तो देता है, लेकिन उसे स्वस्थ रखने के लिए जरूरी पोषण नहीं दे पाता। राष्ट्रीय पोषण संस्थान के विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित आहार में सभी पोषक तत्वों का उचित अनुपात होना चाहिए। विटामिन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं, मिनरल्स हड्डियों और मांसपेशियों के विकास में सहायता करते हैं तथा प्रोटीन शरीर की वृद्धि और ऊतकों की मरम्मत के लिए आवश्यक है। जब इनकी जगह अत्यधिक वसा युक्त भोजन ले लेता है, तो मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और अन्य जीवनशैली संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

चिंता की बात यह है कि यह समस्या केवल शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पैकेटबंद और जंक फूड का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। बच्चों में मोटापे की बढ़ती समस्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। पहले जहां बच्चे खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों में अधिक समय बिताते थे, वहीं आज स्क्रीन और फास्ट फूड उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। समस्या का समाधान जागरूकता और संतुलित खानपान में निहित है। हमें अपने भोजन में हरी सब्जियों, मौसमी फलों, दालों, दूध, दही, अंडे तथा मोटे अनाजों को फिर से प्रमुख स्थान देना होगा। घर का ताजा और पौष्टिक भोजन न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है, बल्कि यह दीर्घकाल में अनेक बीमारियों से भी बचाता है। साथ ही बच्चों को कम उम्र से ही स्वस्थ खानपान की आदतें सिखाना आवश्यक है। निस्संदेह स्वाद जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन स्वास्थ्य उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यदि हम आज भी अपने भोजन में पोषण को प्राथमिकता नहीं देंगे और फैट्स से भरपूर खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहेंगे, तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां और गंभीर हो सकती हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम अपनी थाली में संतुलन लौटाएं और विटामिन, मिनरल तथा प्रोटीन से भरपूर भोजन को फिर से अपना साथी बनाएं।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : स्वस्थ भारत की मजबूत नींव

सुनील कुमार महला

हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार और उचित पोषण हर किसी के लिए बहुत आवश्यक है, फिर चाहे वह कोई बच्चा हो, बुजुर्ग हो या महिलाएं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण केवल स्वास्थ्य का ही विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य आमजन को संतुलित आहार, उचित पोषण, कुपोषण की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में, यह सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों से होता है। कहना गलत नहीं होगा कि पोषण हमारे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार है। शरीर को ऊर्जा देने, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बच्चों के विकास तथा कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए पर्याप्त और संतुलित पोषण आवश्यक है। विशेष रूप से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए उचित पोषण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है कुपोषण:-

बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में बच्चों में कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर चिंता का विषय है।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(एनएफएचएस-5) के अनुसार, पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे ठिगनेपन से, 19.3 प्रतिशत बच्चे दुबलेपन/वेस्टिंग से और 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन (अंडरवेट) की समस्या से प्रभावित हैं। इनमें 7.7 प्रतिशत बच्चे गंभीर वेस्टिंग से प्रभावित हैं। यूनिसेफ के 2025 के भारत संबंधी पोषण विवरण में भी लगभग 36 प्रतिशत बच्चों में बौनापन और 19 प्रतिशत में वेस्टिंग यानी कि लंबाई के अनुपात में वजन कम का उल्लेख किया गया है। यूनिसेफ के ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि कुपोषण केवल बच्चों के शारीरिक विकास को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता, सीखने की क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है।

बच्चों के समुचित विकास में चुनौती है कुपोषण:-

वास्तव में हमारे देश में पोषण और संतुलित आहार की कमी आज भी बच्चों के समुचित विकास में बड़ी चुनौती है। यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर बच्चों को पोषण और संतुलित आहार की कमी के पीछे मुख्य कारण क्या हैं? तो इस प्रश्न का सीधा सा उत्तर यह है कि गरीबी, भोजन में विविधता की कमी, पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव और असंतुलित खान-पान के कारण अनेक बच्चे आवश्यक प्रोटीन, विटामिन, खनिज और कैलोरी पर्याप्त मात्रा में नहीं ले पाते और इसका असर बच्चों की शारीरिक वृद्धि, मानसिक विकास और रोग-प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। कुपोषण के कारण बच्चों में वेस्टिंग (कम वजन), स्टंटिंग (कम लंबाई) और कम वजन जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इसलिए बच्चों के लिए पौष्टिक, विविधतापूर्ण और संतुलित आहार सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

हम सभी ने छोटी कक्षाओं में अध्ययन करते हुए यह पढ़ा है कि संतुलित आहार में क्रमशः अनाज, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मेवे, बीज और पर्याप्त मात्रा में पानी शामिल होना चाहिए। वास्तव में, हमारे भोजन में विविधता जितनी अधिक होगी, शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलने की संभावना उतनी ही बेहतर होगी। इसके साथ ही अत्यधिक जंक फूड, नमक, चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों के सेवन को सीमित करना भी जरूरी है। पाठक जानते हैं कि समय के साथ, पश्चिमी सभ्यता संस्कृति, समय का अभाव, गलत खानपान की आदतों,शहरी संस्कृति के कारण आज हमारे देश में जंक फूड, अधिक नमक, चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। वास्तव में सच तो यह है आज स्वाद और सुविधा के कारण बच्चे पौष्टिक भोजन की जगह इन खाद्य पदार्थों को अधिक पसंद करने लगे हैं। इनका अत्यधिक सेवन मोटापा, मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकता है, इसलिए संतुलित आहार में फल, सब्जियां, दालें, अनाज, दूध और प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्वाद के साथ स्वास्थ्य का संतुलन ही स्वस्थ जीवन की सच्ची कुंजी है।

बदलती जीवनशैली के बीच बढ़ रहे स्वास्थ्य जोखिम:-

हाल फिलहाल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह केवल एक जागरूकता अभियान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह कुपोषण के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लेने का अवसर है। परिवार, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य संस्थान और समाज मिलकर पोषण संबंधी सही जानकारी को जन-जन तक पहुंचा सकते हैं। बच्चों में शुरू से ही पौष्टिक भोजन की आदत विकसित करना उनके बेहतर भविष्य की नींव तैयार करता है। जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि आज जब बदलती जीवनशैली के कारण मोटापा, मधुमेह और अन्य जीवनशैली संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं, तब पोषण का महत्व और भी बढ़ जाता है। सही भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और स्वच्छता- ये सभी स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

तो आइए, इस राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम स्वयं भी पौष्टिक एवं संतुलित आहार अपनाएंगे और अपने परिवार तथा समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। क्योंकि सही पोषण ही स्वस्थ जीवन की पहचान है और जब हमारे देश के सभी नागरिक स्वस्थ होंगे तो हमारा देश भी निरंतर तरक्की और प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेगा।

मासूम बचपन पर मंडराता अपहरण का खतरा

कांतिलाल मांडोत

बच्चों की सुरक्षा के लिए अब कानून से लेकर पुलिस व्यवस्था तक में बड़े बदलाव की जरूरत...

बच्चा जब घर के आंगन में खेलता है तो माता पिता को लगता है कि दुनिया की सारी खुशियां उनके सामने हैं। उसकी हंसी घर को जीवंत बना देती है और उसकी छोटी छोटी जरूरतें परिवार के लिए जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती हैं। लेकिन यही बच्चा अचानक घर से गायब हो जाए तो उस परिवार की दुनिया जैसे थम जाती है। उसके लौटने की उम्मीद हर पल बनी रहती है और हर गुजरते घंटे के साथ चिंता गहरी होती जाती है। बच्चों के अपहरण की घटनाएं इसलिए केवल अपराध के आंकड़े नहीं हैं बल्कि इनके पीछे हजारों परिवारों की ऐसी पीड़ा छिपी होती है जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

देश में बच्चों के बढ़ते अपहरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका ने एक बेहद गंभीर विषय को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। सवाल केवल यह नहीं है कि कितने बच्चे लापता होते हैं बल्कि बड़ा सवाल यह है कि उनके गायब होने के बाद व्यवस्था कितनी तेजी और संवेदनशीलता के साथ उन्हें खोजने का प्रयास करती है। यदि किसी बच्चे के लापता होने की सूचना मिलने के बाद शुरूआती समय में ही प्रभावी कार्रवाई हो जाए तो उसके सुरक्षित मिलने की संभावना बढ़ सकती है। इसके विपरीत जांच में देरी अपराधियों को अपनी गतिविधियों को छिपाने का अवसर दे सकती है।

बच्चों के अपहरण का स्वरूप भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। कई मामलों में यह केवल किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क की भूमिका सामने आती है। बच्चों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाले गिरोह राज्यों की सीमाओं का फायदा उठाते हैं। ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर से शुरू होकर दूसरे राज्यों तक फैले हो सकते हैं। इसलिए बच्चों की तलाश और अपराधियों की पहचान के लिए केवल एक थाने या एक जिले की पुलिस पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता।

मानव तस्करी इस समस्या का सबसे भयावह पहलू है। मासूम बच्चों को उनके परिवारों से दूर करके अलग अलग प्रकार के शोषण में धकेला जाना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। कुछ बच्चे मजदूरी के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं तो कुछ को भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है। ऐसे गिरोह बच्चों की मजबूरी को अपने अवैध कारोबार का साधन बना लेते हैं। बच्चों के हाथों में किताब और खिलौने होने चाहिए लेकिन अपराधी उन्हें अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने लगते हैं। इससे बड़ा सामाजिक अन्याय और क्या हो सकता है।

बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने की घटनाएं भी इसी समस्या की एक कड़ी हैं। सड़क पर किसी बच्चे को भीख मांगते देखकर अक्सर लोग कुछ पैसे देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि उस बच्चे की स्थिति के पीछे कोई संगठित शोषण तो नहीं है। हर बच्चा अपनी इच्छा से सड़क पर नहीं आता। कई बच्चे परिस्थितियों और अपराधी नेटवर्क के कारण ऐसी जिंदगी जीने को मजबूर होते हैं। इसलिए बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ कार्रवाई को केवल सामाजिक कल्याण का विषय नहीं बल्कि संगठित अपराध के खिलाफ अभियान के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

बच्चों के अपहरण के मामलों में पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलने के बाद तत्काल प्राथमिकी दर्ज होना और जांच शुरू होना जरूरी है। बच्चे की तस्वीर और पहचान संबंधी जानकारी जल्द से जल्द संबंधित पुलिस इकाइयों तक पहुंचनी चाहिए। रेलवे स्टेशन बस अड्डों और अन्य परिवहन केंद्रों पर भी सूचना पहुंचाने में देरी नहीं होनी चाहिए। आधुनिक तकनीक ने पुलिस के सामने कई नए साधन उपलब्ध कराए हैं। कैमरों की निगरानी से लेकर डिजिटल रिकॉर्ड और दूसरे तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल बच्चों की तलाश में किया जा सकता है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ प्रशिक्षित और संवेदनशील पुलिसकर्मी भी मौजूद हों।

ऐसे मामलों में जांच अधिकारियों की जिम्मेदारी भी सामान्य अपराधों से अलग है। बच्चे की बरामदगी के साथ यह पता लगाना भी जरूरी है कि उसे किसने उठाया और किस उद्देश्य से ले जाया गया। यदि केवल बच्चे को बरामद करके मामला समाप्त मान लिया गया तो उसके पीछे सक्रिय पूरा नेटवर्क बच सकता है। अपराध की जड़ तक पहुंचना जरूरी है ताकि उसी गिरोह के दूसरे बच्चे भी सुरक्षित किए जा सकें।

लंबी कानूनी प्रक्रिया भी इस समस्या को गंभीर बनाती है। बच्चों से जुड़े मामलों में पीड़ित परिवार पहले ही मानसिक और सामाजिक पीड़ा से गुजरता है। यदि मुकदमा वर्षों तक चलता रहे तो न्याय की प्रतीक्षा स्वयं एक नई पीड़ा बन जाती है। इसलिए बाल अपहरण और मानव तस्करी के गंभीर मामलों की सुनवाई के लिए विशेष व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। तेज सुनवाई का अर्थ जल्दबाजी में न्याय करना नहीं बल्कि ऐसे मामलों को अनावश्यक देरी से बचाना होना चाहिए।

कठोर कानून की मांग के साथ यह भी जरूरी है कि कानून का प्रभाव जमीन पर दिखाई दे। अपराधियों को सजा का भय तभी होगा जब जांच मजबूत हो और मुकदमे का परिणाम समय पर सामने आए। केवल कानून में कठोर प्रावधान जोड़ देने से समस्या खत्म नहीं होगी। पुलिस की जवाबदेही बढ़ानी होगी। जांच की गुणवत्ता सुधारनी होगी और अलग अलग राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा।

मानव तस्करी के मामलों में जिन राज्यों का नाम अधिक सामने आता है वहां विशेष निगरानी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों और ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान देना होगा जहां से बच्चों को दूसरे राज्यों में ले जाना आसान होता है। बस परिवहन और रेलवे नेटवर्क के जरिए बच्चों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए संस्थागत व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। इसके साथ ही बाल संरक्षण संस्थाओं और स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

परिवारों की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को सुरक्षा के सामान्य नियमों के बारे में समझाना चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ जाना या उसके बहकावे में आना कितना जोखिमपूर्ण हो सकता है। हालांकि पूरी जिम्मेदारी परिवारों पर डालना उचित नहीं होगा। सार्वजनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चे सुरक्षित माहौल में रह सकें और किसी घटना के बाद राज्य की मशीनरी तुरंत सक्रिय हो।

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

ललित गर्ग

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है।

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है।

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा।

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं। पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है।

शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर सामाजिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियान्वयन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को यह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है-'ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो।'

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

सैन्य परिसर के अंदर जोरदार विस्फोट, 10 की मौत, 60 से ज्यादा घायल; आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा धमाका

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश बोलिविया में शुक्रवार को एक सैन्य परिसर में हुए जोरदार विस्फोट ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का के मुताबिक, हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे वियाचा स्थित सैन्य परिसर में हुआ। यह इलाका बोलिविया की राजधानी ला पाज से करीब 30 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों के अनुसार, धमाका उस हिस्से में हुआ जहां आतिशबाजी और पायरोटेक्निक सामग्री रखी गई थी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट की शुरुआत किस वजह से हुई। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में रक्षा मंत्रालय के भंडार में रखी आतिशबाजी मौजूद थी। स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने बताया कि 62 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी और मृतकों की संख्या 15 तक पहुंच सकती है। घायल लोगों में से 14 को इलाज के लिए ला पाज के अस्पतालों में ले जाया गया। इनमें एक बच्ची भी शामिल थी, जो तीसरी डिग्री तक जल गई। पुलिस के अनुसार, 50 से ज्यादा लोग घायल हुए और विस्फोट की वजह से आसपास के दर्जनों घरों को नुकसान पहुंचा। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कई घरों की खिड़कियां टूट गईं।

अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करेंगे यूरोपीय देश: पांच देशों में होगा समझौता; क्या विदेश में बनेंगे वापसी केंद्र

कोपेनहेगन, एजेंसी। यूरोप में अवैध प्रवासियों और बिना कानूनी अनुमति के रह रहे लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज हो गई है। डेनमार्क की मेजबानी में हुई बैठक में जर्मनी, ऑस्ट्रिया, ग्रीस, डेनमार्क और नीदरलैंड के समूहों ने बड़ा कदम उठाया है। इन पांच देशों ने यूरोपीय संघ से बाहर के किसी देश में रिटर्न हब (प्रवासी वापसी केंद्र) बनाने को लेकर ठोस सहमति जताई है। जर्मनी के गृह मंत्री एलेक्जेंडर डोब्रिंडट ने कोपेनहेगन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन देशों का लक्ष्य इसी साल ऐसे तीसरे देशों के साथ समझौते को अंतिम रूप देना है। हालांकि, अभी उन देशों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है जहां ये केंद्र बनाए जाएंगे। यूरोपीय संसद ने जून में नई प्रवासन नीति को मंजूरी दी थी। इस योजना को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। काउंसिल ऑफ यूरोप ने इन केंद्रों को मानवाधिकारों के लिए जोखिम भरा बताया है। वहीं, डेनिश रिफ्यूजी काउंसिल की महासचिव शार्लोट स्लेंटे का कहना है कि इससे प्रवासियों के खतरनाक रास्ते नहीं रुकेंगे। डेनमार्क के आव्रजन और एकीकरण मंत्री मोर्टन बोद्स्कोव ने उम्मीद जताई है कि साल 2027 के अंत तक प्रवासियों को भेजने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस पूरी योजना पर चर्चा के लिए यह समूह सितंबर के अंत में जर्मनी के म्यूनिख में फिर बैठक करेगा।

रूस-यूक्रेन जंग में बढ़ी हलचल: कीव के बाद मॉस्को भी जाएंगे अमेरिकी दूत; क्या निकलेगा शांति का रास्ता

कीव, एजेंसी। अमेरिका के अधिकारी स्टीव विटकॉफ और जरेड कुशनर इस सप्ताहांत मॉस्को जाएंगे। इसके बाद वे कीव जाएंगे। उनका दौरा अगले सप्ताह की शुरुआत तक चल सकता है। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह अधिकारी सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए अधिकृत नहीं था। इसलिए उसने नाम न बताने की शर्त पर बात की। अधिकारी ने दोनों जगहों पर जाने के सही समय की जानकारी नहीं दी। यह दोनों अमेरिकी अधिकारियों की कीव की पहली यात्रा होगी। अमेरिका युद्ध खत्म कराने के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। लेकिन अब तक इन कोशिशों से शांति का रास्ता नहीं निकल पाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि वह विटकॉफ और कुशनर के रविवार को कीव पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। इससे पहले दोनों अधिकारी मॉस्को जाएंगे। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि बातचीत के दौरान यूक्रेन हवाई हमले नहीं करेगा। उन्होंने रूस से भी ऐसा ही करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे बातचीत सुरक्षित तरीके से हो सकेगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिकी पक्ष की पिछली राजनयिक यात्राओं की तरह हम यह सुनिश्चित करेंगे कि रूसी हवाई क्षेत्र सामान्य रूप से काम करता रहे, ताकि बातचीत के लिए आने वाले अधिकारी सुरक्षित पहुंच सकें। रूस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों के मॉस्को दौरे की खबरों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

जलविद्युत परियोजना के कर्मी सुरंग में 9 दिन कैसे रहे जिंदा, नेपाल में बचाव अभियान में क्या बदलाव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में हिमालय की ऊंची पहाड़ियों से आए एक सैलाब का असर बीते नौ दिन से लगातार यहां रहने वालों के लिए एक बुरा सपना बना हुआ है। दरअसल, नेपाल में सबसे ज्यादा तबाही सैलाब को साथ लाने वाली भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के आसपास के क्षेत्रों और इन नदियों पर बनी ऊर्जा परियोजनाओं को झेलनी पड़ी। इन्हीं क्षेत्रों में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई और अधिकतम लापता हुए। खासकर छह हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाले करीब 900 लोगों की खोजबीन अब तक जारी है। इस बीच शुक्रवार सुबह एक अच्छी खबर आई। राहत-बचाव कार्य में लगी टीमों ने त्रिशूली नदी पर चल रही एक परियोजना में काम कर रहे दो लोगों को नौ दिन बाद मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

सामने आया है कि जिन दो लोगों को त्रिशूली 3ए प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड केंद्र के ऊपर जमे मलबे से बाहर निकाला गया है, वे दोनों ही नेपाली नागरिक हैं। इन्हें उपचार के लिए काठमांडू ले जाया गया है। दोनों ने ही बताया कि जब बाढ़ का प्रकोप जलविद्युत परियोजना पर पड़ा, तब उनके साथ कई और लोग मलबे में दब गए। हालांकि, बाकी लोगों की खोज अभी जारी है। बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित हुई हाइड्रोपावर परियोजनाओं में काम कर रहे दो लोगों के नौ दिन बाद सही-सलामत निकलने के बाद यह जानना अहम है कि आखिर यह दो लोग इस भीषण बाढ़ की चपेट में आने के बावजूद नौ दिन तक जिंदा कैसे रहे जलविद्युत परियोजनाओं में काम कर रहे लोगों को निकालने के लिए राहत-बचाव कर्मी किस तरह अभियान चला रहे हैं।

फिलहाल यह साफ नहीं है कि जिस त्रिशूली 3ए प्रोजेक्ट में राहत-बचाव कार्य के दौरान दो लोग निकाले गए, वहां और कितने लोग फंसे हो सकते हैं या कितने जिंदा होंगे। हालांकि, जो दो लोग बचे हैं, उनके खुद के बयानों और रेस्क्यू टीम की कोशिशों से चार अहम तथ्य निकलकर सामने आए। सबसे पहले जो बात सामने आई, वह यह कि सुरंग के मलबे में दबे एक व्यक्ति संजय साह बाढ़ के खतरे के बीच 40-45 लोगों को बचाने में सफल हुए थे और इसी दौरान सुरंग में फंस गए।

गोल्डीलॉक्स जोन में फंसकर बची जिंदगी : दोनों कर्मचारी टनल के भीतर एक सुरक्षित हिस्से में फंसे थे, जिसे भूवैज्ञानिकों ने गोल्डीलॉक्स जोन यानी इंसानों के जीवित बचने के 'सबसे अनुकूल' जगह कहा है। यह मुख्य रूप से सुरंग का वह इलाका था, जहां से अंदर और बाहर ले जाने वाली केबल मौजूद थीं। यह केबल भूमिगत पावरहाउस से ट्रांसमिशन ग्रिड तक जाती हैं। इस मजबूत ढांचे की वजह से वे टनल में आई बाढ़, मिट्टी और मलबे के सीधे बहाव की चपेट में आने से बच गए।

टनल का मुख्य द्वार पूरी तरह से मलबे से बंद हो जाने के बावजूद बचाव कर्मियों ने सुरंग के अंदर बनी संभावित खाली जगहों में पाइपों के जरिए ऑक्सीजन भेजने का प्रयास किया था, ताकि वहां हवा की कमी न हो। मैकेनिकल फोरमैन संजय साह के मुताबिक, सुरंग के अंदर घने अंधकार में नौ दिनों तक पूरी दुनिया से कटे रहने के दौरान उन्होंने हौसला नहीं टूटने दिया। वे लगातार मंत्रों का जाप और प्रार्थना करते रहे, जिससे उन्हें मानसिक रूप से जीवित रहने का हौसला मिला।

कठिन भूख-प्यास का सामना किया : सुरंग के अंदर दोनों के पास ही भोजन या पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। बचाव के बाद जब कबीर महर्जन को सैन्य अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, तो उन्होंने गंभीर स्थिति में होश में आने पर सबसे पहले बताया कि उन्हें बहुत तेज प्यास लगी है। वे बेहद कठिन परिस्थितियों में केवल अपनी शारीरिक सहनशक्ति के बल पर शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) का मुकाबला करते हुए जीवित बचे रहे। बाढ़ के मलबे से बंद केबल टनल में रास्ता बनाने के बाद, बचाव कर्मियों ने टनल की छत के ऊपरी हिस्से में एक छोटा सा छेद बनाया, ताकि उसके जरिए रेंगकर अंदर जाया जा सके। इस रास्ते से जब बचाव कर्मियों ने टनल के भीतर फंसे लोगों को आवाज दी, तो उन्हें अंदर से नेपाली भाषा में किसी के जवाब देने की बहुत ही धीमी और हल्की आवाज सुनाई दी। इसी आवाज के जरिए बचाव दल को उनके जीवित होने का पहला सुराग मिला।

ईरान संघर्ष को ट्रंप ने बताया छोटी बात, पिकैक्स माउंटेन पर हमले का भी जिक्र; होर्मुज में हालात कैसे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ छह महीने से अधिक समय से चल रहे टकराव को युद्ध मानने से इनकार किया है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इस विचार का समर्थन करते हुए कहा, ईरान और अमेरिका के बीच 'अंतराल वाला सैन्य संघर्ष' हो रहा है जो वाशिंगटन के लिए 'छोटी बात' है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका ईरान के भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर जल्द हमला कर सकता है। ईरान के अत्यधिक किलेबंद और भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर हमले का बयान ऐसे समय में आया है जब बीते कुछ दिनों में दोनों देशों ने एक दूसरे के सैन्य ठिकानों को जमकर निशाना बनाया है। ऐसे में दोनों देशों का टकराव बढ़ने का खतरा है।

क्या बहुत जल्द हमला कर सकता है अमेरिका : ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका को पिकैक्स माउंटेन पर कोई गतिविधि मिलती है, तो उसे निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी खुफिया तंत्र इस स्थल पर गतिविधियों की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

कहां है ईरान का परमाणु भंडार : पिकैक्स माउंटेन ईरान के नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इसे दो गहरी दबी सुरंग प्रणालियों वाला अत्यधिक किलेबंद भूमिगत परिसर बताया जाता है। कुछ दिन पहले आई वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक इस्राइल ने ईरान से जुड़ा चौंकाने वाला दावा किया है। इस्राइल की खुफिया जानकारी के अनुसार, हजारों सेंट्रीफ्यूज इस गहरी दबी सुविधा में स्थानांतरित कर दिए हैं। इस भूमिगत निर्माण के कारण पारंपरिक हवाई बमबारी का असर नहीं होता है। पिकैक्स माउंटेन काफी अधिक प्रतिरोधी है।

ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप के कारण पश्चिम एशिया में एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को रोकने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, यदि अमेरिका कार्रवाई नहीं करता तो इस्राइल और इसके आसपास अन्य देशों को अधिक गंभीर खतरे का सामना करना पड़ता।

सैन्य कार्रवाई को ईरान के ठिकानों पर अंजाम देने वाली एजेंसी- अमेरिकी सेंट्रल कमान ने बताया था कि सेना ने पिछले सप्ताह ईरानी सैन्य ठिकानों के पर हमले का एक लहर चरण पूरा किया है। इन अभियानों में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने जिन जगहों पर बमबारी की, उनमें ईरान का वायु रक्षा प्रतिष्ठान, रडार प्रणालियां, समुद्री संपत्तियां, बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताएं और संचार स्थल जैसे केंद्र शामिल हैं। सेंटकॉम के मुताबिक IRGC द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के जवाब में अमेरिकी सेना ने हमले किए।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री को क्यों याद आई पीएम मोदी की चेतावनी: बोले- भारत ने चेताया था; चीन पर साधा निशाना

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुरानी चेतावनी का जिक्र करते हुए यूरोप की व्यापारिक निर्भरता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यूरोप को अब समझ आ रहा है कि आर्थिक निर्भरता को दबाव बनाने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। चीन का नाम लिए बिना डी वेवर ने उस देश पर परोक्ष निशाना साधा, जिसने यूरोपीय बाजारों और उद्योगों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने भारत को यूरोप का सबसे अहम रणनीतिक साझेदार बताते हुए दोनों के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने कहा कि व्यापारिक निर्भरता के जोखिमों को लेकर अब यूरोप की 'आंखें अचानक खुली हैं'। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत ने यूरोपीय देशों को इस खतरे के बारे में काफी पहले चेतावनी दी थी, लेकिन उस समय यूरोप ने भारत की बात को गंभीरता से नहीं लिया। भारत और यूरोप के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी की संभावनाओं पर बात करते हुए डी वेवर ने कहा कि दोनों पक्षों के सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। खासकर आर्थिक निर्भरता अब सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए भी किया जा रहा है। हमारे सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। हमारा सामना ऐसे ही पावर ब्लॉक्स (शक्ति समूहों) से हो रहा है, जो एक खास दिशा में बढ़ रहे हैं। एक ऐसी दिशा जो शायद हमें पसंद नहीं है और हमें अपनी मर्जी के खिलाफ कुछ करने के लिए मजबूर किया जाना भी पसंद नहीं है। हमें यह पसंद नहीं है कि निर्भरता का इस्तेमाल हमारे खिलाफ हथियार के तौर पर किया जाए। डी वेवर ने इसके बाद यूरोप को दी गई भारत की पुरानी चेतावनियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत पहले ही यूरोप को इस तरह की आर्थिक निर्भरता के खतरे के बारे में आगाह किया था, लेकिन तब उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। आपने यह इतिहास देखा है। आपके प्रधानमंत्री ने बहुत पहले ही यूरोप को इस बारे में चेतावनी दी थी।

सऊदी अरब को अमेरिका की सौगात: पांच अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी; जेडीएएम किट-बमों से खाड़ी में बढ़ेगी ताकत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने सऊदी अरब को करीब 5 अरब डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण बेचने की संभावित डील को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित बिक्री में सटीक निशाना लगाने वाली जेडीएएम-ईआर प्रणालियां, हजारों बम और उनसे जुड़े उपकरण शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी कांग्रेस को दी है।

प्रस्तावित हथियार सौदे में क्या-क्या शामिल है : अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब ने 5,004 केएमयू-572 जेडीएएम गाइडेंस किट और 5,000 केएमयू-556 जेडीएएम गाइडेंस किट की मांग की है। इसके अलावा 5,004 बीएलयू-111 500-पाउंड सामान्य उपयोग वाले बम और 5,000 बीएलयू-117 2,000-पाउंड बम भी प्रस्तावित पैकेज का हिस्सा हैं। डील में फ्यूज सिस्टम, टारगेट डिटेक्टर, कंटेनर, स्पेयर पार्ट्स, सपोर्ट उपकरण और अन्य जरूरी सामान भी शामिल होंगे। इसके साथ अमेरिकी सरकार और ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी और लॉजिस्टिक सेवाएं भी प्रस्तावित हैं।

अमेरिका सऊदी अरब को ये हथियार क्यों देना चाहता है : अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि इस संभावित बिक्री से सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत होगी और खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका के मुताबिक, इससे सऊदी अरब की मौजूदा और भविष्य की क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता बेहतर होगी। विभाग ने कहा कि इससे सऊदी अरब की अपनी जमीन की रक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी और अमेरिकी तथा खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों की सेनाओं के साथ उसकी सैन्य प्रणालियों की बेहतर तालमेल क्षमता विकसित होगी। क्या इस सौदे से क्षेत्र का सैन्य संतुलन बदलेगा अमेरिकी आकलन के मुताबिक, प्रस्तावित लेनदेन से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं होगा। अमेरिका का यह भी कहना है कि सऊदी अरब इन हथियारों और सेवाओं को अपनी सैन्य व्यवस्था में आसानी से शामिल कर सकेगा। इस संभावित बिक्री के लिए मुख्य ठेकेदार बोइंग होगा, जिसका मुख्यालय वर्जीनिया में है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि फिलहाल इस सौदे के साथ किसी ऑफसेट समझौते की जानकारी नहीं है। क्या इस हथियार सौदे का पश्चिम एशिया के तनाव से भी संबंध है यह संभावित हथियार सौदा ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष, सऊदी अरब को निशाना बनाकर हुए हमलों और यमन के हूती विद्रोहियों की गतिविधियों ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। ऐसे माहौल में सऊदी अरब अपनी जमीन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को संभावित हवाई तथा मिसाइल खतरों से बचाने की क्षमता मजबूत करना चाहता है। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हालिया सहयोग केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

मॉस्को जाने पर गिरफ्तारी का खतरा, फिर भी तैयार थे जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ बुदानोव; क्या बोले

कीव, एजेंसी। इस वर्ष के शुरू में में जब शांति वार्ता का एक दौर खत्म हुआ, तो यूक्रेनी वार्ताकारों को रूसियों की तरफ से एक हैरान करने वाला प्रस्ताव मिला। इसमें कहा गया कि यूक्रेनी अधिकारी चाहें तो मॉस्को की उड़ान पकड़ सकते हैं और वार्ता जारी रख सकते हैं। इसका फायदा यह था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की संभावना थी और नुकसान यह था कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता था, या उससे भी बुरा कुछ हो सकता था।

प्रस्ताव ने इससे पहले जिनेवा में वार्ता के दौरान यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले किरीलो बुदानोव के सामने एक गंभीर असमंजस उत्पन्न कर दिया। रूस ने उन पर आतंकवाद के आरोप लगा रखे हैं, जो तब लगाए गए थे जब वह यूक्रेन के सैन्य जासूसी प्रमुख थे। लेकिन वार्ता के माध्यम से शांति हासिल करने के लिए वह कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने के लिए तैयार थे। कभी रूस से डटकर मुकाबला करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल बुदानोव मौजूदा समय में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ हैं और किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं। बुदानोव का कहना है, बातचीत आज नहीं तो कल किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेगी। आप पूरी जिंदगी युद्ध नहीं लड़ सकते। यूक्रेनी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले बुदानोव ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं युद्ध खत्म करने वाले किसी भी कदम के लिए तैयार हूं। बशर्ते यूक्रेन को इसकी शर्तें मंजूर हों। उन्होंने मॉस्को दौरे के प्रस्ताव के बारे में खुलासा किया, जिसकी रिपोर्ट पहले सामने नहीं आई थी। यही नहीं यह दौरान भी परवान नहीं चढ़ सका था, और आगे बातचीत ठप हो गई थी।

वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद : जंग लगातार जारी रहने के बीच बुदानोव ने सितंबर के आखिर तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद जताई है। विश्लेषकों का कहना है, शांति की पहल की बुदानोव की मंशा उनके व्यक्तित्व के दो अलग पहलुओं को सामने लाती है। वह एक ऐसे सैनिक के तौर पर अपनी पहचान बनाए रखना चाहते हैं जिसने रूस के खिलाफ जमकर जंग लड़ी। पूर्वी यूक्रेन में 2014 में लंबे समय से सुलगते रहे युद्ध के दौरान बुदानोव ने दुश्मन की सीमा के पीछे जाकर कमांडो छापों का नेतृत्व किया था, जिसमें एक छापे में रूसी जनरल के बेटे की मौत हो गई थी। 2022 में रूसी हमले के बाद उन्होंने यूक्रेन के कुछ सबसे दुस्साहसिक जवाबी हमलों की रूपरेखा तैयार करने में मदद की। अब वह खून-खराबा खत्म करने की पहल में भी सबसे आगे हैं।

450 साल पुराना दुनिया का नक्शा कितना बदला, कैसे अफ्रीकी देश के चलते भारत को मिल सकता है न्याय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पारंपरिक दुनिया के नक्शे (मर्केटर) को बदलने के लिए लाए गए करेक्ट द मैप प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया है। 16वीं सदी का मर्केटर नक्शा उत्तरी गोलार्ध के देशों को बड़ा और भूमध्य रेखा के पास के देशों को छोटा दिखाता है। नए और सटीक अनुमान वाले इक्वल अर्थ मैप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और अन्य भूमध्यरेखीय क्षेत्रों का वास्तविक और बड़ा आकार सामने आएगा। वहीं, यूरोप, रूस और कनाडा जैसे इलाके मौजूदा मर्केटर नक्शे की तुलना में नए नक्शे में छोटे दिखाई देंगे। इस प्रस्ताव के पक्ष में 164 देश रहे, जबकि अमेरिका ने इसके खिलाफ वोट किया और छह देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। नया नक्शा अफ्रीका को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है। नए नक्शे को टोगो ने पेश किया जबकि अफ्रीकी संघ के सदस्यों ने पुरजोर समर्थन किया। मानचित्र सुधार प्रस्ताव फ्रांस और ब्रिटेन सहित 164 देशों के समर्थन से पारित हो गया। अमेरिका इकलौता देश रहा, जिसने इसके खिलाफ मतदान किया और छह देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। 16वीं शताब्दी से उपयोग हो रहे मर्केटर मानचित्र की आलोचना की जाती रही है क्योंकि यह अफ्रीका को ग्रीनलैंड के समान आकार का दिखाता है, जबकि वास्तव में यह उससे 14 गुना बड़ा है।

अब वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी : इस प्रस्ताव पर मतदान कि अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब आने वाले दिनों में दुनियाभर में दिखाए-पढ़ाए जाने वाले वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी हो जाएगा और उसकी जगह नए नक्शे ले लेंगे। इतना ही नहीं मौजूदा नक्शे में दिखने वाले महाद्वीप के साथ भारत और कई देशों की स्थिति में बड़ा बदलाव हो जाएगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक नक्शे पर बदलाव कराने का दम रखने वाले इस प्रस्ताव की जरूरत क्यों पड़ी अब प्रस्ताव मंजूर हो चुका है तो क्या-क्या बदल सकता है आइये जानते हैं...

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश प्रस्ताव वैश्विक स्तर पर दर्शाए जाने वाले मानचित्र को बदलने और सदियों पुराने 'मर्केटर प्रोजेक्शन' मैप की जगह समान-क्षेत्र दर्शाने वाले मानचित्रों को वैश्विक मानक बनाने से जुड़ा था। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश टोगो की ओर से प्रायोजित किया गया, जिसे 55-सदस्यीय अफ्रीकी संघ का समर्थन मिला। दरअसल, इस वक्त दुनिया में विश्व का जो मानचित्र दिखाया जाता है, वह 400 साल से भी ज्यादा पुराना है और इसे गेरहार्डस मर्केटर की ओर से दुनियाभर में व्यापार के लिए जाने वाले नाविकों की मदद के लिए बनाया गया था। यह पारंपरिक मानचित्र ध्रुवों के पास के देशों को उनके वास्तविक आकार से बहुत बड़ा और भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास के क्षेत्रों को बहुत छोटा दिखाता है। उदाहरण के लिए मौजूदा नक्शे पर अफ्रीका और ग्रीनलैंड एक ही आकार के दिखाई देते हैं, जबकि वास्तविकता में अफ्रीका एक महाद्वीप है, जो कि ग्रीनलैंड से 14 गुना बड़ा है। ऐसा ही कई और अन्य देशों के भी साथ की स्थिति है। अफ्रीका अपने असल आकार के मुकाबले छोटा दिखाए जाने को लेकर ही नाराजगी जाहिर करता रहा है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर छाया संकट: पहली बार आईएईए ने माना नियमों का पालन नहीं हुआ, क्या लगेगा प्रतिबंध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय दबाव अब और बढ़ता दिख रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सामने ऐसा प्रस्ताव रखने की तैयारी की है, जिसमें ईरान को परमाणु अप्रसार की अपनी कानूनी जिम्मेदारियों का पालन न करने के मामले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक भेजने की बात है। यह मामला इसलिए बेहद गंभीर है क्योंकि जून 2025 में आईएईए बोर्ड ने करीब 20 साल बाद पहली बार ईरान को अपनी परमाणु अप्रसार संबंधी जिम्मेदारियों का पालन न करने वाला पाया था।

मसौदे में ईरान के खिलाफ क्या कहा गया : प्रस्ताव अभी बातचीत के दौर में है और आईएईए बोर्ड को औपचारिक रूप से नहीं सौंपा गया है। इसमें आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से प्रस्ताव और पहले पारित प्रस्तावों को आईएईए के सभी सदस्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और महासभा तक पहुंचाने को कहा गया है। प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा चुनौतियों का कूटनीतिक समाधान निकालने का समर्थन भी किया गया है। सभी पक्षों से बातचीत में रचनात्मक तरीके से शामिल होने की अपील की गई है। प्रस्ताव में बदलाव भी संभव है। औपचारिक रूप से पेश होने के बाद इस पर अगले सप्ताह वियना में आईएईए बोर्ड की बैठक में मतदान होगा।

ईरान की सबसे बड़ी परेशानी क्या : परमाणु अप्रसार संधि के तहत ईरान पर अपने सभी परमाणु पदार्थ और गतिविधियों की जानकारी देने तथा आईएईए के निरीक्षकों को यह जांचने देने की कानूनी जिम्मेदारी है कि परमाणु सामग्री का इस्तेमाल शांतिपूर्ण कामों के अलावा कहीं नहीं हो रहा। जून 2025 में अमेरिका और इस्राइल के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमलों के बाद से ईरान ने प्रभावित परमाणु स्थलों पर आईएईए निरीक्षकों को प्रवेश नहीं दिया है। एजेंसी छह महीने से अधिक समय से हथियार बनाने की क्षमता के करीब पहुंच चुके यूरेनियम के भंडार की स्थिति भी सत्यापित नहीं कर पाई है। आईएईए ने हाल में चेतावनी दी कि निरीक्षकों को प्रवेश न देना और परमाणु सामग्री की पुष्टि न हो पाना प्रसार का जोखिम पैदा करता है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

ईरान के पास कितना यूरेनियम और खतरा कितना बड़ा : आईएईए के अनुसार ईरान के पास 440.9 किलोग्राम यूरेनियम का भंडार है, जिसे 60 फीसदी तक शुद्धता पर समृद्ध किया गया है। हथियार बनाने के लिए आम तौर पर करीब 90 फीसदी शुद्धता वाला यूरेनियम चाहिए होता है। यानी ईरान का मौजूदा भंडार तकनीकी रूप से उस स्तर से बहुत दूर नहीं है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने पिछले साल कहा था कि यह मात्रा ईरान को सैद्धांतिक रूप से 10 परमाणु बम बनाने में सक्षम कर सकती है, अगर वह अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाने का फैसला करे। उन्होंने साफ किया था कि इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान के पास परमाणु हथियार मौजूद है।

यूरेनियम के पुराने निशानों की जांच क्यों अहम : आईएईए की वर्षों से चल रही जांच में ईरान के कुछ ऐसे स्थानों पर यूरेनियम के निशान मिले हैं, जिनके बारे में पहले जानकारी नहीं दी गई थी। एजेंसी की हालिया गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार इन निशानों की जांच में भी कोई प्रगति नहीं हुई है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों को शक है कि ये निशान इस बात के संकेत हो सकते हैं कि ईरान ने 2003 तक गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम चलाया था। ईरान इन आरोपों को खारिज करता है और लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। ईरान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक भेजने का मतलब मामले को आईएईए से आगे संयुक्त राष्ट्र की सबसे शक्तिशाली संस्था के सामने ले जाना होगा। सुरक्षा परिषद के पास आगे कानूनी रूप से बाध्यकारी कदम उठाने की क्षमता है, जिनमें प्रतिबंध और संपत्ति फ्रीज करने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इस मामले में कड़ी संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई की संभावना सीमित मानी जा रही है, क्योंकि ईरान के सहयोगी रूस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं और उनके पास वीटो का अधिकार है। पश्चिमी देशों की ओर से प्रस्ताव लाने की तैयारी के बावजूद कूटनीति का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। मसौदे में भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का राजनयिक समाधान निकालने की बात कही गई है। ईरान और आईएईए के बीच सहयोग और बातचीत की कमी ने स्थिति को ज्यादा गंभीर बनाया है।

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अतः प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

गड्ढों और सड़क पर बहते पानी से बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय के नजदीक बग्याल गांव का करीब चार किमी मोटर मार्ग बरसात से बदहाल हो गया है। मार्ग के करीब ढाई किमी हिस्से में जगह–जगह गहरे गड्ढे हैं। साथ ही सड़क पर बहते पानी से वाहन चालकों के साथ ही राहगीरों को भी आवाजाही में परेशानी हो रही है।

भटवाड़ी ब्लॉक के कनिष्ठ प्रमुख योगेश डंगवाल और ग्राम प्रधान पुष्पा भट्ट ने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण कई दोपहिया वाहन चालक चोटिल हो चुके हैं। बरसात के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है। जगह–जगह गड्ढों में पानी भरने और सड़क पर पानी बहने से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने मार्ग की बदहाल स्थिति पर संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सड़क की हालत खराब है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इसकी मरम्मत और सुधारीकरण को लेकर गंभीर नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने जल्द मार्ग की मरम्मत और सुधारीकरण शुरू कराने की मांग की है।

बारिश के कारण खेतों में खराब हो रही धान की फसल

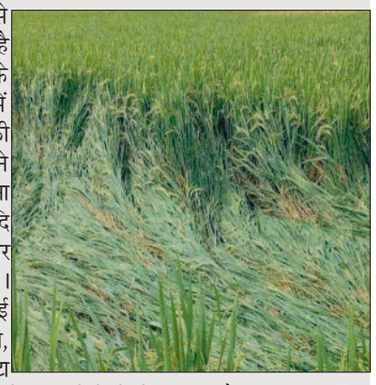

बीते कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है जबकि इन दिनों क्षेत्र के ऊंचाई वाले गांवों में किसान धान की फसल की कटाई और मंडाई करने लगे हैं। किसानों का कहना है कि कुछ दिन और यदि बारिश पड़ी तो फसलें और खराब हो सकती हैं। आदिबदरी क्षेत्र के ऊंचाई वाले पंडाव, केड़ा, प्यूंरा, पज्याणा, लंगटाईं, सिलपाटा में किसानों ने धान कटाई के बाद खेतों में ढेर लगाए हैं। लगातार बारिश के कारण वे उसकी मंडाई नहीं कर पा रहे हैं जिससे धान के खराब होने की चिंता किसानों को सता रही है। पंडाव के विलोक सिंह ने कहा कि उनके छह से अधिक धान के ढेर खेतों में हैं। अगर बारिश नहीं रुकी तो सारा धान बरबाद हो जाएगा। वहीं केड़ा के राकेश नेगी व प्यूंरा के आनंद नेगी ने भी धान के खराब होने की आशंका जताई। वहीं कर्णप्रयाग के गांवों के भी किसान परेशान हैं। किसान मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष खिलदेव रावत ने बताया यदि लगातार बारिश रही तो धान की फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

वायरल के मरीजों की ओपीडी हुई 200 पार

बड़कोट। मौसम बदलते ही बड़कोट क्षेत्र में वायरल ने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। पिछले कुछ दिनों से अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में बुखार, बदन दर्द, सिरदर्द और कमजोरी की शिकायत लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसका सीधा असर सीएचसी बड़कोट की ओपीडी पर पड़ा है। यहां रोजाना आने वाले मरीजों की संख्या 100–120 से बढ़कर 200 के पार पहुंच गई है।

अगस्त से ही वायरल के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा दर्ज किया जा रहा है। क्षेत्र में कुछ समय पहले वायरल फीवर के साथ लूज मोशन और टाइफाइड के मामले भी बढ़े थे लेकिन अब इन मामलों में कमी आई है। इसके बावजूद वायरल फीवर का प्रकोप बना हुआ है और अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ रही है। चिकित्सकों के अनुसार मौसम में बदलाव के दौरान वायरल संक्रमण तेजी से फैलता है।

बुखार, बदन दर्द, सिरदर्द, कमजोरी और अन्य लक्षणों वाले मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। निजी क्लीनिकों में भी मरीजों की बढ़ती संख्या से स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ा है। सीएचसी बड़कोट के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अंगद सिंह राणा ने लोगों से सतर्कता बरतने को कहा है। उन्होंने कहा कि पानी को फिल्टर करने के साथ ही संभव हो तो अच्छी तरह उबालकर पिएं।

संक्षिप्त समाचार

नंदासैंण महाविद्यालय में दस साल से भूगोल विषय नहीं

नंदासैंण। राजकीय महाविद्यालय नंदासैंण में दस वर्ष से भूगोल विषय का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में भूगोल विषय पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे महाविद्यालयों का रुख करना पड़ रहा है। महाविद्यालय का संचालन वर्ष 2016 से हो रहा है। वर्तमान में यहां करीब 140 छात्र–छात्राएं पढ़ रहे हैं। करीब दो वर्ष पहले नए भवन के लोकार्पण पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने यहां भूगोल विषय शुरू करने की बात कही थी। इसके बावजूद यह विषय अभी तक शुरू नहीं हो सका है। समाजसेवी हरेन्द्र चौधरी, विनोद रावत, रेवत नेगी और अर्जुन भंडारी आदि ने कहा कि पिंडवाली, बड़ेथ, मज्याड़ी, पुनगांव और बिषौणा जैसे दूरस्थ गांवों से छात्र यहां पढ़ने आते हैं। मगर भूगोल विषय न होने से कई छात्र अपनी पसंद के विषय के लिए अन्य कॉलेजों में प्रवेश ले चुके हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य अमर चंद्र विश्वकर्मा ने भूगोल विषय शुरू करने की मांग के लिए उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड शासन को पत्र भेजा है।

डॉ. अनुराग शर्मा को मिला एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड

गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में वाणिज्य संकाय में सहायक प्राध्यापक डॉ. अनुराग शर्मा को जयपुर में शिक्षक सम्मान समारोह में मौर्य एकेडमी एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनके शिक्षण, शोध व लेखन कार्य के लिए यह अवॉर्ड दिया गया है। विवेकानंद कन्या समिति हर साल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करती है। इस साल यह आयोजन स्वामी विवेकानंद बालिका शिक्षा प्रचार समिति व मौर्य एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से आयोजित किया। एसएस जैन सुबोध स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय जयपुर में यह कार्यक्रम किया गया।

इंद्रामति की डोली गोपीनाथ मंदिर पहुंची

गोपेश्वर/पीपलकोटी। बदरीनाथ धाम की यात्रा करने के बाद अब टेड़ा–खंसाल क्षेत्र की आराध्य देवी माता इंद्रामति की दिवारा यात्रा पीपलकोटी से होते हुए गोपेश्वर पहुंची। रविवार को डोली ने गोपीनाथ मंदिर में भक्तों को आशीर्वाद दिया। ध्याणियों ने मां इंद्रामति की डोली को श्रृंगार सामग्री भेंट की। इससे पूर्व पीपलकोटी के मायापुर गांव में माता की डोली की विशेष पूजाएं हुई। मां इंद्रामति 15 साल बाद बदरीनाथ धाम की यात्रा पर पहुंचीं। पंडित दुर्गा प्रसाद मैठाणी ने बताया कि हर पड़ाव पर माता की विशेष पूजाएं हो रही हैं। इस मौके पर पंडित गणेश मैठाणी, दर्शन सिंह, हीरा सिंह, हरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

शिविर में 10 यूनिट रक्तदान किया

कर्णप्रयाग। उप जिला चिकित्सालय में जामा मस्जिद प्रबंधन समिति अपर बाजार की ओर से कौमी एकता रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें 10 यूनिट रक्तदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिवर्तन यूथ क्लब के संस्थापक अरविंद चौहान ने किया। उन्होंने कहा कि कौमी एकता के तहत रक्तदान शिविर के आयोजन से समाज में सामाजिक समरसता का संदेश जाएगा। शिविर में नावेद सिद्दीकी, मोईन खान, सैफ अंसारी, जाकिर खान, अनस खान, समीर खान, आकिब अहमद, आरिफ अहमद, मोहिद हुसैन, अमन खान ने रक्तदान दिया। इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीपी पुरोहित, डॉ. अंकित भट्ट, डॉ. शिप्रा सुयाल आदि मौजूद थे।

जिलासू तहसील को मिलेगा अपना भवन

कर्णप्रयाग। तहसील जिलासू का अपना आवासीय और अनावासीय भवन बनेगा। ग्रामीण निर्माण विभाग ने करीब 7.54 करोड़ रुपये लागत का इस्टीमेट शासन को भेजा है। इसमें 290.87 लाख रुपये आवासीय भवन और 463.13 लाख रुपये अनावासीय भवन पर खर्च होंगे। वर्तमान में तहसील खादी ग्राम उद्योग के बुनकर सेंटर में संचालित है। नए भवन जिलासू खेल मैदान के पास 0.8 हेक्टेयर खाली भूमि पर बनाए जाएंगे। वर्ष 2015 में नवसृजित तहसील की घोषणा हुई थी। अपना भवन न होने से कार्यालय और तहसील संबंधी कार्यों में दिक्कतें आती थीं। सरणा सहित 30 से अधिक गांवों के लोग यहां भूमि संबंधी कार्यों के लिए आते हैं। नए भवन से कर्मचारियों को आवास और कार्यालय को उचित जगह मिलेगी। ग्राम प्रधान ममता रावत और अनूप रावत ने इसे ग्रामीणों के लिए आसान बताया। सहायक अभियंता शुभम कुमार सिंह ने बताया कि धनराशि स्वीकृत होते ही निर्माण शुरू होगा।

स्कूलों में नशा मुक्ति अभियान शुरू

कर्णप्रयाग। जनपद के विद्यालयों में शिक्षा विभाग ने नशा निषेध के लिए दो साल का अभियान शुरू किया है। यह अभियान सितंबर 2026 से अगस्त 2028 तक चलेगा। इसका जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे से बचाना है। मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने नशे के बढ़ते प्रचलन को देखते हुए यह पहल की है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी तेजी से इसकी चपेट में आ रही है। यह अभियान 1 सितंबर से शुरू हुआ है। इसमें जागरूकता रैली, पोस्टर, नारा लेखन, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक और लघु फिल्म जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। हस्ताक्षर अभियान और संवाद सत्र भी इन गतिविधियों का हिस्सा होंगे। सितंबर 2026 में नशा निषेध शपथ ली गई। अक्तूबर में जागरूकता रैली और नवंबर में पोस्टर प्रतियोगिता होगी।

रोटेशन व्यवस्था बेपटरी, यात्रियों को घोड़े–खच्चरों की भीड़ से परेशानी

बड़कोट। यमुनोत्री धाम में मानसून के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ यात्रा मार्ग पर घोड़े–खच्चरों की भीड़ ने व्यवस्थाओं की चुनौती बढ़ा दी है। जानकीचट्टी में रोटेशन व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में घोड़े–खच्चर और डंडी–कंडी संचालक एक साथ यात्रियों को अपनी सेवा के लिए आकर्षित करने में जुट रहे हैं।

यात्रियों के वाहन से उतरते ही संचालक उन्हें अपनी ओर बुलाने के लिए होटल–ढाबों और वाहनों तक पहुंच रहे हैं। इससे जानकीचट्टी में अनावश्यक भीड़ बढ़ रही है और श्रद्धालुओं को पैदल मार्ग की ओर जाने में असुविधा हो रही है। भीड़ के बीच बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों को विशेष परेशानी उठानी पड़ रही है। चारधाम होटल एसोसिएशन के प्रवक्ता संदीप राणा, यमुनोत्री मंदिर समिति के पूर्व सचिव सुरेश उनियाल और महावीर पंवार ने घोड़े–खच्चरों की रोटेशन व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने जिला पंचायत से रोटेशन व्यवस्था की नियमित निगरानी और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सभी घोड़े–खच्चर और डंडी–कंडी संचालकों को एक साथ यात्रियों की तलाश में आने से रोककर निर्धारित क्रम में संचालन कराया जाए।

शिक्षक दिवस पर अनुपस्थित

शिक्षिका निलंबित

गोपेश्वर। शिक्षक दिवस पर विद्यालय से अनुपस्थित रहने पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भलगांव की सहायक शिक्षिका रेनू डंगवाल को निलंबित कर दिया गया है।

जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा पंकज उप्रेती ने अभिभावकों की शिकायत और उप शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा ज्योतिर्मठ की आख्या के आधार पर यह कार्रवाई की है। मामले की जांच डीईओ ने उप शिक्षाधिकारी ज्योतिर्मठ को सौंपी है।

शनिवार को शिक्षक दिवस के मौके पर विद्यालय में ताले लटके रहे। छात्र–छात्राएं और उनके अभिभावक शिक्षक दिवस मनाने के लिए विद्यालय पहुंचे थे लेकिन दोनों शिक्षक विद्यालय नहीं पहुंचे। अभिभावकों ने इसकी शिकायत शिक्षा विभाग से की। जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा पंकज उप्रेती ने बताया कि शिक्षक दिवस पर शिक्षिका के विद्यालय में उपस्थित न रहने से शिक्षण कार्य प्रभावित हुआ। इस कारण सहायक शिक्षिका रेनू डंगवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। मामले की विस्तृत जांच उप शिक्षाधिकारी ज्योतिर्मठ को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बगाल चक गांव में गहराया पानी का संकट

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक के बगालचक गांव में दो साल से पेयजल संकट बना है। जल जीवन मिशन में 20 किमी लंबी पेयजल लाइन के कुछ ही हिस्से की मरम्मत होने और टैंक लीकेज होने के कारण ग्रामीणों की पेयजल समस्या दूर नहीं हो पाई है जिससे गांव के करीब 70 परिवार आधा किमी दूर व्यक्तिगत लाइन से पानी भरने को मजबूर हैं।

नगुण पट्टी के ग्राम बगाल चक के ग्रामीण दो साल से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। गांव के क्षेत्र पंचायत सदस्य सुनील डिमरी और प्रधान प्यारी देवी चौहान ने बताया कि 1989 में बनी 20 किमी लंबी पेयजल लाइन पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। लाइन की खस्ताहाल स्थिति को देखते हुए जल संस्थान ने दो–ढाई साल पहले जल जीवन मिशन से करीब 40–42 लाख रुपये खर्च कर योजना के कुल तीन किमी हिस्से के पाइप बदलकर टैंक भी बनाया था लेकिन अन्य जर्जर पाइप नहीं बदलने और टैंक लीकेज होने के कारण स्रोत पर पर्याप्त पानी होने के बावजूद गांव में पानी की समस्या बनी हुई है।

सदस्य ने बताया कि गांव के निचले हिस्से में चार–पांच परिवारों ने गदेरे से अपने लिए व्यक्तिगत पाइप लाइन बनाई है। योजना से पानी नहीं मिलने के कारण ग्राम पंचायत ने अभी तक योजना का स्वामित्व नहीं लिया है। उन्होंने योजना का पुर्नगठन करने और दूसरा टैंक बनाने की मांग की है।

जिला मुख्यालय सहित स्टेट हाईवे जल्द होंगे गड्ढा मुक्त

नई टिहरी। गड्ढा युक्त सड़कों पर जोखिमभरा सफर करने से लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। लोनिवि ने लंबे समय से खस्ताहाल करीब 15 सड़कों की सुध लेते हुए गड्ढे भरने के लिए करीब तीन करोड़ की लागत से पैचवर्क कराने की कवायद शुरू कर दी है।

जिला मुख्यालय की अधिकतर सड़कें नगर पालिका ने चकाचक कर दी है लेकिन लोनिवि के अधीन करीब नौ किमी सड़क बदहाल है। बरसात में राहगीरों का चलना भी मुश्किल हो जाता है लेकिन अब लोनिवि ने जिला मुख्यालय सहित कई राज्य मार्गों को गड्ढा मुक्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए लोनिवि ने करीब 3.20 करोड़ से सड़कों का पैचवर्क कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

पर्थाडीप में बोल्डर की चपेट में आने से बाल–बाल बचा वाहन

गोपेश्वर। बदरीनाथ हाईवे पर नंदप्रयाग के पर्थाडीप में फिर से भूस्खलन सक्रिय हो गया है। यहां पहाड़ी से रुक–रुककर मलबा और बोल्डर हाईवे पर आ रहे हैं। रविवार सुबह करीब 10 बजे गोपेश्वर से नंदप्रयाग तक सवारियों को लेकर आ रहा एक वाहन बोल्डर की चपेट में आने से बाल–बाल बचा। वाहन में 10 सवारियां थीं। बोल्डर हाईवे पर आकर मलबे में धंस गया जिससे सवारियों पर मलबे के छींटे पड़े।

पर्थाडीप भूस्खलन क्षेत्र में करीब 60 मीटर हिस्से में भूस्खलन हो रहा है। इस बार नंदप्रयाग बाजार की ओर से करीब 20 मीटर हिस्से में पहाड़ी से भूस्खलन हो रहा है। बारिश होने पर यहां भूस्खलन सक्रिय हो रहा है। इधर एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि मौसम सामान्य होने पर पहाड़ी का उपचार किया जाएगा। मौके पर जेसीबी तैनात की गई है।

धारडुंग्री–मैखुरा मार्ग 15 दिन से बंद, भूस्खलन से आवागमन ठप

कर्णप्रयाग/देवाल। ब्लॉक का धारडुंग्री–मैखुरा मार्ग पिछले 15 दिनों से बंद है। सड़क के शुरुआत में ही पुश्ता क्षतिग्रस्त होने और भूस्खलन होने से वाहनों का आवागमन ठप है। इससे करीब तीन हजार की आबादी प्रभावित है।

इस सड़क से गोपथला, मल्ला कनखुल, चोपड्यूं, बखरा, कांडा, गनोली, मैखुरा सहित कई गांवों के लोगों की आवाजाही होती है लेकिन सड़क बंद होने से ग्रामीणों को आवाजाही और जरूरी खाद्य सामग्री लाने–ले जाने में दिक्कतें आ रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले साल की भारी बारिश से सड़क की दीवार क्षतिग्रस्त हुई थी जिसे ठीक नहीं किया गया। इस बार बारिश के कारण सड़क और भी खराब हो गई। भू–धंसाव के कारण धारडुंग्री के सते सिंह के मकान को भी खतरा बना हुआ है। वहीं लोनिवि गौचर के अधिशासी अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि भूस्खलन से सुरक्षा दीवार टूटी है। सड़क के नीचे एक मकान होने से निर्माण में दिक्कतें हैं लेकिन जल्द वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। वहीं देवाल में भारी बारिश से स्टेट हाईवे थराली–देवाल मार्ग तीसरे दिन भी बंद रहा। नंदकेशरी के पास चट्टान टूटने से सड़क बंद है और पोकलेन मशीन भी काम नहीं कर पा रही है। कोठी और तलसारी के 20 स्कूली बच्चे विद्यालयों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। वहीं 150 मीटर सड़क ध्वस्त होने से देवाल–खेता मार्ग भी डेढ़ सप्ताह से बंद है। हालांकि लोनिवि नई सड़क बना रहा है लेकिन बारिश के कारण अभी काम रुका है। इस मार्ग से करीब 12 गांवों के दस हजार लोग प्रभावित हैं। वहीं अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि बारिश के कारण मलबा हटाने का काम रुका है।

मानव–वन्यजीव संघर्ष का टीम कर रही वैज्ञानिक अध्ययन

जखोली। जनपद में बढ़ते मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के कारणों और प्रभावों को समझने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। डीएफओ विनीत कुमार के दिशा–निर्देशन में वैज्ञानिकों एवं रिसर्च फेलो की छह सदस्यीय टीम संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर आंकड़े जुटा रही है। टीम का नेतृत्व डॉ. शेखोम इनोओतोम्बी कर रहे हैं। विशेषज्ञ टीम ने उत्तरी जखोली रेंज के जाखनी, डांगी, डडोली कोटी, कुड़ी अधुली, पाटलीधार, डांडा चमसारी, देवल और मखेत क्षेत्रों का भ्रमण किया। टीम ने ग्रामीण उम्मेद सिंह राणा, ग्राम प्रधान चन्दी पवन सिंह, प्रभावित रमेश प्रसाद थपलियाल व चंदेशेखर बुटोला आदि से संवाद कर गुलदार, हिमालयी भालू, जंगली सुअर, बंदर और लंगूर से जुड़ी घटनाओं की जानकारी जुटाई। शोध में मानव–वन्यजीव संघर्ष के पीछे प्राकृतिक और मानवीय कारणों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है। वन विभाग के अनुसार अध्ययन रुद्रप्रयाग वन प्रभाग की विभिन्न रेंजों में जारी रहेगा। स्थलीय सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। डीएफओ ने बताया कि संघर्ष के मूल कारणों को वैज्ञानिक दृष्टि से समझकर ही जनसुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण के उपायों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

आठ सितंबर में प्रकाशित होगी मतदाता सूची

रुद्रप्रयाग। जिला योजना समिति के सदस्यों के निर्वाचन को जिला पंचायत और नगर निकायों के निर्वाचित सदस्यों की मतदाता सूची तैयार करने का कार्यक्रम तय हुआ है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने इसकी समय सारिणी जारी की है जिसमें आठ सितंबर को निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 10 सितंबर तक मतदाता सूची का निरीक्षण कर दावे और आपत्तियां दाखिल हो सकेंगी। प्राप्त दावे–आपत्तियों का 12 सितंबर को निस्तारण होगा। इसके बाद 15 सितंबर को अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जाएगा।

नगर को जल्द मिलेगी सिटी बस सेवा

नई टिहरी। लंबे इंतजार के बाद नगर पालिका नई टिहरी क्षेत्र में सिटी बस सेवा शुरू होने की उम्मीद जगी है। सिटी बस खरीदने के लिए अब टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नगर पालिका ने आगामी अक्तूबर से सेवा शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है।

विधायक निधि से सिटी बस खरीदने के लिए दिसंबर 2025 में 23 लाख पालिका को मिले थे। तब से करीब नौ माह का समय बीत चुका है। पहले टेंडर में आई आपत्तियों और बाद में निर्धारित शर्तें पूरी नहीं होने के कारण दो बार टेंडर प्रक्रिया निरस्त होने से बस खरीदने में देरी हुई। अब टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगरवासियों को जल्द सिटी बस मिलने की उम्मीद है।

सिटी बस का संचालन नई टिहरी, बौराड़ी, भागीरथीपुरम, कोटीकॉलोनी, चंबा और बादशाहीथौल क्षेत्र को जोड़ने वाले मार्ग पर किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में उक्त क्षेत्रों के बीच नियमित स्थानीय परिवहन सुविधा सीमित होने से लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। चारधाम यात्रा के दौरान परेशानी और बढ़ जाती है, क्योंकि बड़ी संख्या में बसें यात्रा मार्गों पर संचालित होने लगती हैं।

सिटी बस शुरू होने से नगर क्षेत्र के लोगों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और अन्य यात्रियों को नियमित आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है। नगर पालिका स्तर पर अब बस उपलब्ध होने के बाद संचालन व्यवस्था और मार्ग संबंधी तैयारियां पूरी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पालिका का लक्ष्य अक्तूबर 2026 से सिटी बस सेवा शुरू करने का है।

सिटी बस संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया अब जाकर पूरी हो चुकी है। अक्तूबर से नगर क्षेत्र में सिटी बस सेवा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इससे नगरवासियों को स्थानीय आवागमन में सुविधा मिलेगी

— मोहन सिंह रावत, अध्यक्ष नगर पालिका नई टिहरी

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

मोहम्मद शमी की वनडे टीम में हो सकती है वापसी

दिलीप ट्रॉफी फाइनल पर चयनकर्ताओं की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में वापसी का रास्ता खुल सकता है. भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर भी चर्चा हो सकती है. इसकी बड़ी वजह भारत के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों का उस समय एशियन गेम्स के लिए जापान में होना है.

एशियन गेम्स में होंगे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज – जापान में 19 सितंबर से एशियन गेम्स शुरू होने हैं. इसी दौरान भारतीय टी20 टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा होंगे. वहीं 27 सितंबर से भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज शुरू होनी है. ऐसे में बुमराह, अर्शदीप और हर्षित के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है. इससे चयनकर्ताओं को तेज गेंदबाजी विभाग में दूसरे विकल्पों की तरफ देखना होगा.

शमी ने फिटनेस को लेकर दिया जवाब – प्मोहम्मद शमी पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के घेरे में रहे हैं. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी उनकी फिटनेस को लेकर बयान दे चुके हैं.

सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार रेस में

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार का नाम सामने आ रहा है. हालांकि चयनकर्ता अगर टीम में चार तेज गेंदबाज रखना चाहते हैं तो मोहम्मद शमी एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं. शमी के पक्ष में सबसे बड़ी बात उनका अनुभव है. बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव के ज्यादा विकल्प मौजूद नहीं होंगे. ऐसे में शमी की वापसी टीम के पेस अटैक को मजबूती दे सकती है.

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम

नेशंस लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मिलान लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी। बिलिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से, लुका के फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है। हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही मकसद है - क्रोएशिया को टॉप टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना। मोड्रिक ने एसी मिलान के साथ अपना क्लब करियर भी जारी रखा है। इस मिडफील्डर ने हाल ही में इटैलियन क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्रोएशिया के दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्हें अब अपने 202 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियरों में से एक को और लंबा कर सकेंगे। मोड्रिक ने साल 2006 में क्रोएशिया के लिए सीनियर डेब्यू किया था और तब से वह टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।

सीपीएल 2026

सुनील नरेन का चला जादू, त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है। एंटिगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

ब्रसेल्स, एजेंसी। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडौइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया। 23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडौइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने

सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। जीत के बाद रुमेश ने कहा, 'मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा।' इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे। श्रीलंकाई स्टार ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनके पांच डायमंड लीग मैचों में से चार में जीत मिली है। वह रबात में अपनी सीरीज में डेब्यू करते हुए दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन रोम और ज्यूरिख दोनों जगह उन्होंने 92 मीटर से ज्यादा फेंका, और अब तक के टॉप टेन थ्रोअर में शामिल हो गए। रोम में श्रीलंकाई खिलाड़ी की 92.62 मीटर की वर्ल्ड लीड ने उन्हें इस सीजन में वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने में मदद की है। 2022 में चैंपियन रहे भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा ने इंजरी की वजह से फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था।

साई ने झटके

5 विकेट

साई किशोर की बेहतरीन गेंदबाजी, ग्लॉस्टरशायर की डर्बीशायर पर रोमांचक जीत

ब्रिस्टल , एजेंसी। आर साई किशोर (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। एड मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट और ओली प्राइस ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए। डर्बीशायर के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजो ने झटके। यह घरेलू टीम के लिए किस्मत में शानदार बदलाव था, क्योंकि मैच के पहले दिन उसका स्कोर पांच विकेट पर मात्र 37 रन था। इससे पहले ग्लॉस्टरशायर ने अपनी दूसरी पारी में 210 रन और जोड़े। माइल्स हैमंड ने 118 और जेम्स ब्रेसी ने नाबाद 104 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की बड़ी साझेदारी की और ग्लॉस्टरशायर ने 5 विकेट पर 359 रन बनाकर पारी घोषित की। ब्रेसी 2007 में ग्लॉस्टर के आकर्डेकन मीडो में एलेक्स गिडमैन के बाद प्रथम श्रेणी मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले खिलाड़ी बने। तालिका में सबसे नीचे चल रही ग्लॉस्टरशायर ने 19 अंक हासिल किए और लगातार छह हार का सिलसिला समाप्त किया। इस सीजन में उसकी दोनों जीत डर्बीशायर के खिलाफ ही आई हैं। ब्रिस्टल से डर्बीशायर को सिर्फ़ चार अंक मिले और टीम को भारी निराशा के साथ लौटना पड़ा। जब ग्लॉस्टरशायर ने 3 विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया, तब डर्बीशायर को जल्दी विकेट लेने की ज़रूरत थी। लेकिन फील्डिंग में उससे कई गलतियां हुईं। शोएब बशीर ने अपनी ही गेंद पर ब्रेसी का कैच छोड़ दिया, तब उनका स्कोर सिर्फ 5 रन था। वहीं मैट मॉन्टगोमरी ने वापसी का कैच हाथ से निकाल दिया और हैमंड को 77 रन पर जीवनदान मिल गया। ग्लॉस्टरशायर की चौथे विकेट की जोड़ी ने इसका पूरा फ़ायदा उठाया और 143 गेंदों में शतकीय साझेदारी कर मैच पर अपना दबदबा बना लिया। ब्रेसी ने 75 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

ग्लॉस्टरशायर ने डर्बीशायर को 9 विकेट से हराया

वहीं हैमंड ने जैक मॉर्ली की गेंद को फाइन लेग की ओर खेला और दो रन लेकर 182 गेंदों में इस सीजन का अपना तीसरा और करियर का आठवां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। डर्बीशायर ने नई गेंद ली और तेज़ गेंदबाज़ बेन एटचिसन और ब्रेट रैंडेल को दोबारा गेंदबाज़ी पर लगाया। लेकिन ब्रेसी और हैमंड ने लंच तक स्कोर को 3 विकेट पर 268 रन तक पहुंचा दिया। ग्लॉस्टरशायर को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाने के बाद हैमंड ने मार्टिन एंडरसन की गेंद को मिडविकेट की ओर खेला, जहां मॉन्टगोमरी ने उनका कैच पकड़कर उनकी पारी ख़त्म कर दी। हैमंड ने समझदारी से डिफेंस और आक्रमण का अच्छा संतुलन बनाकर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद ब्रेसी भी तीन अंकों तक पहुंच गए। उन्होंने 143 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से इस सीज़न का अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम ने पारी घोषित कर दी। इसके साथ ही वह 1919 में हैरी स्मिथ के बाद एक मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले विकेटकीपर भी बने। डर्बीशायर को जीत के लिए लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन बनाने थे, लेकिन उसकी कोशिश जीत से ज़्यादा मैच बचाने तक ही सीमित रही। ग्लॉस्टरशायर ने दोनों छोर से स्पिन गेंदबाज़ी शुरू की और बल्लेबाज़ के आसपास क़रीबी फ़ील्डर लगा दिए।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया: फातिमा सना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए। कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से 1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है। अब पाकिस्तानी टीम 7 सितंबर को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में हांगकांग, चीन का सामना करेगी। ग्रुप-ए से भारत ने पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना ली थी। अब पाकिस्तान (-0.569), थाईलैंड (-2.050) और हांगकांग, चीन (-3.575) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। यानी अगला मैच पाकिस्तान के लिए निर्णायक होगा। इस मुकाबले को लेकर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हम वहां अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे, और आखिरी मैच में हम जीतने और फाइनल (नॉकआउट) में जाने की कोशिश करेंगे।

इतिहास में पहली बार एक साथ खेलेंगे रोनाल्डो और मेसी? जानें कब होगा मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी 37 बार एक दूसरे के खिलाफ खेले हैं, लेकिन अब इतिहास में पहली बार एक टीम के लिए खेल सकते हैं. कार्लोस टेवेज इसकी योजना बना रहे हैं, जो दोनों के टीममेट रहे हैं. पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी फुटबॉल जगत के दो बड़े सितारे हैं. लगभग 15 सालों तक, उनकी प्रतिद्वंद्विता ने वर्ल्ड फुटबॉल में एक दौर को परिभाषित किया, खासकर ला लीगा में, जहां रोनाल्डो रियल मैड्रिड और मेसी बार्सिलोना के लिए खेलते थे. लेकिन अब इतिहास में पहली बार दोनों एक साथ, एक टीम के लिए खेल सकते हैं. दोनों के टीममेट रह चूके कार्लोस टेवेज ने एक खास इवेंट की योजना बनाई है. टीवाईसी स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेवेज ने बोका जूनियर्स के प्रेसिडेंट जुआन रोमन रिकेल्मे से 'ला बॉम्बोनेरा' में मैच कराने के बारे में बात की है. रिकेल्मे ने इसके लिए हामी भर दी है, जो टेवेज के साथ खेल चुके हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी में से कौन सबसे महान है, इस पर सालों से बहस होती रही है. नेशनल और क्लब लेवल पर दोनों दिग्गज 37 बार आमने सामने हो चुके हैं, हालांकि कभी दोनों एक टीम के लिए नहीं खेले. दोनों ने मिलकर 13 बैलन डी'ओर जीते हैं.

दिसंबर में होगा मैच!

बोका जूनियर्स के लिए अपना प्रोफेशनल करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था. अब 5 साल बाद वह अपने फेयरवेल मैच की तैयारी कर रहे हैं. रिकेल्मे द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद अधिकारी अब मैच की तारीख को तय करने पर काम कर रहे हैं. संभावना है कि ये मैच दिसंबर में होगा, जिससे बोका जूनियर्स का शेड्यूल प्रभावित न हो.

यूएस ओपन 2026

कोको गॉफ ने क्रिस्टीना बुच्सा को हराया, चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने US Open 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन की क्रिस्टीना बुच्सा को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ चौथी वरीयता प्राप्त गॉफ ने लगातार पांचवीं बार US Open के चौथे दौर में जगह बना ली है। उनकी लगातार जीत का सिलसिला अब 9 मैचों तक पहुंच गया है।

बुच्सा ने शुरुआत में गॉफ को दिया झटका – आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले की शुरुआत गॉफ के लिए आसान नहीं रही। बुच्सा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, गॉफ ने जल्द ही लय हासिल की और अगले छह में से पांच गेम अपने नाम कर लिए। उन्होंने एक शानदार सर्व के साथ पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया, जिसका बुच्सा के पास कोई जवाब नहीं था।

दूसरे सेट में भी कांटे की टक्कर – दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गॉफ ने 4-3 की बढ़त के लिए बुच्सा की सर्विस तोड़ी, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद गॉफ ने मैच के आखिरी आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और अंतिम-16 में पहुंच गईं।

सर्विस में परेशानी के बावजूद गॉफ का दबदबा

गॉफ का यह प्रदर्शन पूरी तरह बेदाग नहीं रहा। उन्होंने अपनी पहली सर्विस का आधे से भी कम हिस्सा कोर्ट में डाला और छह डबल फॉल्ट किए। इसके बावजूद जब उनकी पहली सर्विस लगी तो वह बेहद प्रभावी रहीं। उन्होंने पहली सर्विस पर 27 में से 20 अंक जीते। गॉफ ने 9 में से 4 ब्रेक पॉइंट कन्वर्ट किए और नेट पर 22 में से 15 अंक अपने नाम किए। उनकी शानदार डिफेंस और कोर्ट पर तेज मूवमेंट एक बार फिर निर्णायक साबित हुई।

दिन के हालात में शुरुआत में हुई परेशानी

गॉफ ने माना कि दिन के समय खेले गए मुकाबले की परिस्थितियों में उन्हें शुरुआत में लय हासिल करने में परेशानी हुई थी। हालांकि, मैच आगे बढ़ने के साथ उन्होंने खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लिया। गॉफ ने कहा, 'वह एक मुश्किल खिलाड़ी हैं। वह कभी खेल की गति तेज कर सकती हैं और कभी धीमी। इसलिए मेरे लिए लय हासिल करना मुश्किल था, लेकिन मैं खुश हूं कि जब मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं खेल रही थी, तब भी मैंने मुकाबला लड़कर जीत हासिल की।'